घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 89- गुरूवार 29- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन

विमान में सवार सभी 5 लोग मारे गए,बारामती में लैंडिंग की दूसरी कोशिश में फिसला,जलकर खाक...

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करने बारामती जा रहे थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक पायलट ने सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। इसके तुरंत बाद उसमें आग लग गई। जानकारी मिली है कि लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस मुंबई से बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में किए जाने की संभावना है। अजित के चाचा शरद पवार बारामती हॉस्पिटल पहुंच गए हैं, जहां सभी शव लाए गए हैं। इधर, एयरक्राफ्ट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी AAIB ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी VSR वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच VSR वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी।

'वह मेरे अच्छे मित्र थे', अजित पवार के निधन पर बोले फडणवीस...उनके जैसे नेता को खोना अभूतपूर्व क्षति

अजित पवार के निधन पर सीएम फडणवीस ने कहा,'महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया है। राज्य में शोक का माहौल है। उनके जैसे नेता को खोना एक अभूतपूर्व क्षति है। व्यक्तिगत जीवन में वे मेरे अच्छे मित्र थे। हमने कई चुनौतियों का एक साथ सामना किया। ऐसे समय में जब वे महाराष्ट्र के विकास में योगदान दे रहे थे,उनका असामयिक निधन एक बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार के साथ हैं। मैं एकनाथ शिंदे जी के साथ आज बारामती जा रहा हूँ। मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस घटना की जानकारी दे दी है और उन्होंने इस पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत कर विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु की घटना के बारे में जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने फडणवीस को फोन कर दुर्घटना की पूरी जानकारी ली।

दुर्घटना की जांच की जाएगी : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि विमान दुर्घटना की जांच की जाएगी। शिंदे ने कहा, 'यह महाराष्ट्र के लिए बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। यह मेरे और पूरे महाराष्ट्र के लिए एक दुखद घटना है। अजित दादा अपने वचन के पक्के थे। जब मैं मुख्यमंत्री था और वे उपमुख्यमंत्री थे, तब हमने एक टीम के रूप में काम किया। एक टीम के रूप में हमने लाडली बहन योजना शुरू की थी और अजित दादा ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।' शिंदे ने पत्रकारों से बातचीत में अजित पवार के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह बहुत पीड़ादायक घटना है। विमान दुर्घटना की जांच की जाएगी।'' शिंदे ने कहा, ''यह क्षति केवल पवार परिवार की नहीं बल्कि पूरे राज्य की है। ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने बड़े भाई को खो दिया हो।''

राहुल और प्रियंका गांधी ने जताया शोक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर बुधवार को दुख जताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार जी और उनके सहयात्रियों की आज हवाई जहाज दुर्घटना में निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। इस शोक के पल में महाराष्ट्र की जनता के साथ हूं। समस्त पवार परिवार और प्रियजनों को इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अजित पवार के निधन पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया,''महाराष्ट्र में हुई भयानक विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी और अन्य लोगों के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। आदरणीय शरद पवार जी, सुप्रिया सुले जी और उनके समस्त परिवार एवं आदरणीय अजित पवार जी के समर्थकों के प्रति गहरी संवेदनाएं।''

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

यूपी में सवर्ण युवकों ने मुंडन कराया,बिहार में फांसी मांगी,सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकर की। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा...हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे। इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है-'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि

सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने सिफारिश की थी

सभी यूनिवर्सिटी,कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों में 'इक्विटी कमेटी' के गठन को अनिवार्य करने की सिफारिश संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति ने की थी। इस समिति के अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह हैं। समिति में कुल 30 सदस्य हैं, जिनमें लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 9 सांसद शामिल हैं।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण,45 मिनट स्पीच दी...

वीबी-जी राम जी कानून का जिक्र करते ही विपक्ष का हंगामा,कानून वापस लो के नारे लगे...

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। संबोधन के दौरान विपक्ष की तरफ से हंगामा और शोरगुल भी हुआ। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में वीबी-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा।

राष्ट्रपति ने कहा...कॉमनवेल्थ गेम्स में सबको सहयोग करना है : राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा...भारत में खेलों के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। भारत की महिला टीम ने पहली बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है। इसी प्रकार महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी वर्ल्ड कप जीता। मैं सबको बधाई देती हैं। बीते समय में हर क्षेत्र में काम किए हैं। मेरी सरकार ने खेलो भारत नीति बनाई है। खेल संगठनों को पारदर्शी बनाया जा रहा है। 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी हासिल की है।

राष्ट्रपति ने कहा...हम किसी को ना डराएं और न ही किसी से डरें...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा...'श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया...'भय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन', यानी न हम किसी को डराएं और न ही किसी से डरें। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने यह सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य देखा। अपने संसाधनों के बल पर हमारे देश ने आतंक के अड्डों को नष्ट किया। मेरी सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर होने वाले हर हमले का जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखा गया है और यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का हिस्सा है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा...माओवादी आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हुई...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा...'मेरी सरकार की नीतियों के अनुरूप सुरक्षा बलों ने माओवादी आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। वर्षों तक देश के 126 जिलों में भय और अविश्वास का माहौल था। माओवादी विचारधारा ने कई पीढ़ियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया। इससे युवाओं, आदिवासियों और दलितों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। आज माओवादी आतंक की चुनौती सिमटकर केवल 8 जिलों तक रह गई है। इनमें से भी 3 जिले ऐसे हैं जो गंभीर रूप से प्रभावित हैं। बीते एक वर्ष में माओवादियों से जुड़े करीब 2000 लोगों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके साथ ही लाखों नागरिकों के जीवन में शांति लौटी है। वह दिन दूर नहीं जब हमारे देश से माओवादी आतंक का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

कांग्रेस ने ईयू के साथ एफटीए में सीबीएएम टैक्स नहीं हटाने पर जताई चिंता

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संचार) एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मेकेनिज्म (सीबीएएम) से देश के एल्युमीनियम और स्टील निर्माताओं को छूट नहीं दिए जाने पर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि ईयू को भारत के एल्यूमिनियम और स्टील निर्यात पहले ही 7 अरब डॉलर से घटकर 5 अरब डॉलर रह गए हैं और सीबीएएम के कारण इस वर्ष से इनमें और गिरावट आने की आशंका है। जयराम ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि समय के साथ सीबीएएम का दायरा भारत के अन्य औद्योगिक निर्यात वर्गों तक भी बढ़ेगा, जिससे एफटीए से भारत को मिलने वाले किसी भी लाभ को प्रभावी रूप से खत्म किया जा सकता है। भारत और ईयू के बीच एफटीए पर बातचीत पहली बार जून 2007 में शुरू हुई थी। 16 दौर की बातचीत के बाद मई 2013 में इसे निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद जून 2022 में वार्ता दोबारा शुरू हुई। यह एफटीए अब तक भारत द्वारा किसी भी व्यापारिक साझेदार को दी गई सबसे बड़ी व्यापारिक छूट है, जिसमें ईयू से भारत में आने वाले 96 फीसदी से अधिक निर्यात पर टैरिफ में कटौती की गई है। इससे भारत के आयात दोगुना होने की संभावना है, जिसका असर व्यापार घाटे पर पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीएएम से भारत के औद्योगिक निर्यात पर गंभीर असर होगा और धीरे-धीरे इसका दायरा अन्य क्षेत्रों तक भी बढ़ सकता है। इससे एफटीए से मिलने वाले लाभ लगभग खत्म हो जाएंगे। उन्होंने ईयू के सख्त स्वास्थ्य और उत्पाद सुरक्षा नियमों को भी चिंता का विषय बताया,जो टैरिफ-रहित व्यापार अवरोध का रूप ले सकते हैं। जयराम ने भारत के सबसे बड़े निर्यात रिफाइंड तेल को लेकर कहा कि इस तेल का बड़ा हिस्सा रूस से आता है और वॉशिंगटन डीसी से पड़ रहे दबाव के बीच इन व्यापारिक मार्गों के भविष्य को लेकर स्पष्टता जरूरी है।

आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को भरोसे से देख रही है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) केवल एक संगठन नहीं, बल्कि ऐसा आंदोलन है जो भारत की युवा-शक्ति को आत्म विश्वासी,अनुशासित,संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं को बड़े भरोसे से देख रही है और इसका कारण उनके कौशल,मूल्य और संस्कार हैं। प्रधानमंत्री बुधवार को दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित कर रहे थे। एनसीसी दिवस के अवसर पर कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, झांकी कलाकारों, राष्ट्रीय रंगशाला से जुड़े साथियों और देशभर से आए युवाओं के समन्वित प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रस्तुतियों में युवाओं की ऊर्जा और अनुशासन साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत महाराष्ट्र में हुई दुःखद विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए की, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनके कुछ सहयोगियों का निधन हो गया। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीसी की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं को न केवल परेड और अनुशासन सिखाता है, बल्कि जिम्मेदारी के साथ जीना भी सिखाता है। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है,जिसमें सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय

वृद्धि हुई है। इस वर्ष बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स की भागीदारी की विशेष रूप से सराहना करते हुए उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी युवाओं के लिए ऐसा मंच है,जहां हमारी विरासत को गर्व के साथ जिया जाता है। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्3' के 150 वर्ष पूरे होने के उत्सव का उल्लेख किया। साथ ही, परमवीर सागर यात्रा का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा था और एनसीसी कैडेट्स ने इस भावना को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय नायकों के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। लक्षद्वीप में आयोजित आइलैंड फेस्टिवल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां समुद्र, संस्कृति और प्रकृति को एक साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी ने इतिहास को स्मारकों से निकालकर सड़कों तक जीवंत किया है। उन्होंने बाजीराव पेशवा के शौर्य, लाचित बोरफुकन की रणनीतिक क्षमता और भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व को साइकिल रैली के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सम्मान प्राप्त करने वाले कैडेट्स को बधाई भी दी। लाल किले से दिए गए अपने संबोधन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यही सही समय है, यही सबसे अच्छा समय है। उन्होंने कहा कि आज का दौर भारतीय युवाओं के लिए अवसरों का स्वर्णकाल है और सरकार का प्रयास है कि इस कालखंड का अधिकतम लाभ युवाओं को मिले। इसी क्रम में उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का उल्लेख किया, जिसे दुनिया 'मदर ऑफ ऑल डील्स' और 'गेम-चेंजर' बता रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे पहले भारत ने ओमान, न्यूज़ीलैंड, ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस के साथ एफटीए किए हैं।

यूजीसी के नये नियमों के समर्थन में बसपा सामान्य वर्ग का विरोध गलत : मायावती

लखनऊ,28 जनवरी 2026। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इस बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उच्च शिक्षण संस्थानों में इक्विटी कमेटियों के गठन को अनिवार्य बनाने वाले यूजीसी के नए नियमों का बचाव किया है। सामन्य वर्ग के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश की उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के समाधान के लिए

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), द्वारा सरकारी कॉलेज एवं निजी यूनिवर्सिटियों में भी 'इक्विटी कमेटी' (समता समिति) बनाने के नये नियम के कुछ प्रावधानों को सामान्य वर्ग के केवल जातिवादी मानसिकता के ही लोगों द्वारा इसे अपने विरुद्ध भेदभाव व षडयंत्रकारी मानकर इसका जो विरोध किया जा रहा है, तो यह कतई भी उचित नहीं है।

अजित की मौत में राजनीति को न लाएं : शरद पवार

ममता ने कहा...प्लेन हादसे की न्यायिक जांच हो,खड़गे और अखिलेश ने भी समर्थन किया

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की जांच कराने की मांग की है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि हादसे की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जानी चाहिए। उधर, एनसीपी (शरद) नेता और अजित के चाचा शरद पवार ने कहा कि यह हादसा है। इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। महाराष्ट्र ने एक काबिल इंसान खो दिया है। उसके पास फैसल लेने की ताकत थी।

ममता ने कहा...सभी एजेंसियां समझौता कर चुकीं:ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा, 'मौजूदा जांच एजेंसियां पूरी तरह से समझौता कर चुकी हैं। सच्चाई केवल शीर्ष

अदालत की निगरानी में ही सामने आ सकती है। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। ममता ने यह भी संकेत दिया कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (शरद पवार गुट) में वापसी पर विचार कर रहे थे। हाल के दिनों में इस तरह की रिपोर्ट्स सामने आई थीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जांच की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा,'यह एक दुर्घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए। नेता अक्सर जरूरी काम से यात्रा करते हैं। यह छोटा विमान था,फिर भी हादसा क्यों हुआ।' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग सही है। पहले भी इस तरह के हादसों में कई वीआईपी नेताओं की जान जा चुकी है। निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि दुर्घटना की असली वजह सामने आ सके। 'शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद अनिल देसाई ने इसे महाराष्ट्र के लिए बड़ी क्षति है। जांच होनी चाहिए।

संपादकीय

सबसे बड़ा और प्रभावी व्यापार समझौता

ईयू के साथ मेक इन इंडिया अभियान को मिलेगी गति

ईयू के साथ एफटीए भारत के निर्यात और निवेश के साथ विकास दर बढ़ाने में अहम होगा। देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए भारत को घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने,सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता लाने,कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने, व्यापार संतुलन को अपने पक्ष में लाने के साथ-साथ पर्यावरण और श्रम मानकों के परिपालन पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा...

आखिरकार नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन की उपस्थिति में भारत-ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का एलान कर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है।

उर्सुला ने भी इस समझौते को सभी 'मदर आफ आल डील्स' कहते हुए यह रेखांकित किया कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर'और इस सदी के आर्थिक पावर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। इस एफटीए से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा और यह संयुक्त बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। इस एफटीए ने अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच भारत और ईयू को नई रणनीतिक गोलबंदी के साथ व्यापारिक संबंधों को नई दिशा दी है।

भारत-ईयू एफटीए के लिए बातचीत 2007 में शुरू हुई थी,लेकिन 2013 में यह वार्ता थम गई। जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू की गई,जो अब अंजाम तक पहुंची है । भारत और यूरोपीय संघ दोनों वैल्यू चेन के अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं। भारत प्रमुखतः श्रम-प्रधान और प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात करता है,जबकि यूरोपीय संघ मुख्यतःपूंजीगत वस्तुओं, उन्नत प्रौद्योगिकी और औद्योगिक उत्पादों की आपूर्ति करता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और 27 देशों के संगठन ईयू के बीच वस्तुओं और सेवाओं में कुल व्यापार 190 अरब डालर से अधिक का रहा। इसी वित्त वर्ष में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डालर रहा।

इसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डालर और आयात 60.68 अरब डालर था। यूरोपीय संघ भारत में एक बड़ा निवेशक भी है,जिसका अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) करीब 117.4 अरब डालर रहा। इस एफटीए से भारत और यूरोपीय संघ के छात्रों, कामगारों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को सुगम बनाने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक गतिशील ढांचे को आकार मिला है। यह एफटीए भारत-ईयू व्यापार के लिए महज एक व्यापार का रणनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि आर्थिक पुनर्व्यवस्था के रूप में भारत और ईयू के लिए बदलते वैश्विक व्यापार वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर देने वाला पड़ाव है।

कागजी सम्मान की चमक में खोता वास्तविक योगदान

गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर दिए जाने वाले प्रशंसा-पत्रों की प्रक्रिया पर एक ज़रूरी सवाल...

डॉ.सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं हैं,बल्कि ये राष्ट्र के आत्ममंथन के अवसर भी होते हैं। इन दिनों प्रशासन द्वारा दिए जाने वाले प्रशंसा-पत्रों को समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उद्देश्य यह होता है कि ऐसे लोगों को सामने लाया जाए जिन्होंने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र,समाज और व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। किंतु बीते कुछ वर्षों में इन प्रशंसा-पत्रों की प्रक्रिया और चयन-पद्धति पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

सबसे बुनियादी सवाल यही है कि क्या किसी प्रशंसा-पत्र के लिए आवेदन करना आवश्यक होना चाहिए? यदि हाँ, तो क्यों? सम्मान तो वह होता है जो स्वतः मिले, जिसे समाज और व्यवस्था स्वयं पहचानें। यदि किसी व्यक्ति को अपने कार्य के लिए स्वयं आवेदन करना पड़े या किसी माध्यम से अपना नाम अनुशंसित करवाना पड़े, तो ऐसे सम्मान की नैतिकता और प्रामाणिकता पर स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है।

विडंबना यह है कि जब किसी क्षेत्र में अनियमितता,भ्रष्टाचार या अव्यवस्था की खबरें समाचार-पत्रों,टीवी चैनलों या सोशल मीडिया पर आती हैं,तो प्रशासन तत्काल सक्रिय हो जाता है। जांच बैठा दी जाती है,नोटिस जारी होते हैं और कार्रवाई की घोषणाएँ की जाती हैं। यानी नकारात्मक घटनाओं पर प्रशासन की दृष्टि अत्यंत सजग और तीक्ष्ण है। फिर सकारात्मक,रचनात्मक और जन हितकारी कार्यों को पहचानने में वही प्रशासन इतना असहाय क्यों दिखाई देता है? क्या अच्छे कार्यों को देखने और समझने की प्रशासनिक दृष्टि अब केवल फाइलों और औपचारिक रिपोर्टों तक सीमित होकर रह गई है?

वास्तविकता यह है कि आज प्रशंसा-पत्रों की व्यवस्था योग्यता की बजाय प्रक्रिया-आधारित होती जा रही है। आवेदन,अनुशंसा,विभागीय चैनल और व्यक्तिगत संपर्क–ये सभी सम्मान प्राप्त करने के अनौपचारिक मानदंड बन चुके हैं। परिणामस्वरूप वही लोग बार-बार सम्मानित होते दिखाई देते हैं जो व्यवस्था के भीतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना जानते हैं, न कि वे जिन्होंने वास्तव में समाज के लिए ज़मीन पर काम किया है। यह स्थिति सम्मान को प्रेरणा के साधन से अधिक एक औपचारिक रस्म में बदल देती है।

यह भी देखने में आता है कि कई बार प्रशंसा-पत्र सरकारी कर्मचारियों को उनके नियमित दायित्वों के निर्वहन के लिए दे दिए जाते हैं, जबकि उनका कार्य मूलतः उनकी नौकरी का हिस्सा होता है। इसके विपरीत,अनेक सामाजिक कार्यकर्ता,साहित्यकार,कलाकार, शिक्षक और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले लोग–जो बिना किसी पद या संसाधन के समाज में बदलाव लाने का प्रयास कर रहे होते हैं–प्रशासन की दृष्टि से बाहर ही रह जाते हैं। क्या यह सम्मान की सही कसौटी है?

प्रशंसा-पत्रों के मूल्य पर भी विचार आवश्यक है। जिन व्यक्तियों को राज्यपाल,मुख्यमंत्री,प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर पत्र लिखे जाते हैं,वे केवल औपचारिक सम्मान नहीं होते। ऐसे पत्र व्यक्ति के कृतित्व के ऐतिहासिक दस्तावेज बन जाते हैं। वे शोध-ग्रंथों में उद्धृत होते हैं, सामाजिक स्मृति का हिस्सा बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। इसके विपरीत, आवेदन-आधारित प्रशंसा-पत्र अक्सर समारोह समाप्त होते ही अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं।

सम्मान की सबसे बड़ी कसौटी प्रशासन नहीं,बल्कि समाज होता है। पाठक,दर्शक,श्रोता और आम लोग तय करते हैं कि कौन उनके विश्वास पर खरा उतरा और कौन नहीं। साहित्य और कला के क्षेत्र में यह बात और भी स्पष्ट हो जाती है। किसी रचनाकार का मूल्यांकन उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि उसकी रचनाओं,विचारों और सामाजिक प्रभाव से होता है। यही कारण है कि कई बार बिना किसी औपचारिक सम्मान के भी कुछ लोग समाज में अमर हो जाते हैं,जबकि अनेक पदक और प्रमाण-पत्र पाने वाले लोग समय के साथ भुला दिए जाते हैं। यहाँ पद और प्रतिष्ठा के अंतर को समझना भी आवश्यक है। पद से मिलने वाला सम्मान अस्थायी होता है। जब तक व्यक्ति पद पर होता है,तब तक उसके चारों ओर अभिनंदन और औपचारिक सम्मान की भीड़ रहती है। लेकिन जैसे ही पद समाप्त होता है या व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है,वही भीड़ छँटने लगती है। इसके विपरीत,जो लोग अपने कार्य और कृतित्व के बल पर पहचान बनाते हैं,उनकी प्रतिष्ठा पद से परे होती है और समय के साथ और गहरी होती जाती है।

दुर्भाग्य से,कुछ अधिकारी पद के मद में यह भूल जाते हैं कि वे राष्ट्र और समाज से बड़े नहीं हैं। पद उन्हें अधिकार देता है,श्रेष्ठता नहीं। यदि किसी अधिकारी ने अपने सेवाकाल में राष्ट्र और समाज के लिए कुछ विशिष्ट नहीं किया,तो ऊँचे पद से सेवानिवृत्ति के बाद भी उसका जीवन सामान्य ही रह जाता है। इतिहास में अधिकारी नहीं, बल्कि विचार,कृतियाँ और योगदान दर्ज होते हैं।

यह भी सच है कि साहित्य और कला की समझ न रखने वाले कुछ अधिकारी सम्मान की प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में चयन का आधार गुणवत्ता नहीं,बल्कि सुविधा और औपचारिकता बन जाता है। इससे न केवल वास्तविक योगदान करने वालों के साथ अन्याय होता है, बल्कि सम्मान की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है।

प्रश्न यह भी उठता है कि जब किसी व्यक्ति के कार्यों को मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया हो,समाज ने स्वीकार किया हो और उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता हो, तो फिर उसे प्रशासनिक प्रशंसा-पत्र के लिए आवेदन करने की आवश्यकता ही क्यों होनी चाहिए? क्या यह सम्मान की मूल भावना के विपरीत नहीं है?

वास्तव में,सम्मान माँगने की वस्तु नहीं है। वह समाज और व्यवस्था द्वारा स्वतः दिया गया प्रमाण होना चाहिए। यदि किसी को स्वयं आगे बढ़कर यह कहना पड़े कि उसने अच्छा काम किया है और इसलिए उसे सम्मानित किया जाए, तो यह सम्मान की आत्मा को कमजोर करता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन सम्मान की संस्कृति पर गंभीर पुनर्विचार करे। चयन-प्रक्रिया पारदर्शी हो,स्वतः संज्ञान की परंपरा विकसित हो और वास्तविक योगदान को प्राथमिकता दी जाए। सम्मान उन लोगों को मिले जो बिना किसी अपेक्षा के समाज के लिए कार्य कर रहे हैं, न कि उन्हें जो केवल प्रक्रिया को साधना जानते हैं।

राष्ट्रीय पर्वों पर दिए जाने वाले सम्मान तभी सार्थक होंगे जब वे गणतंत्र की मूल भावना–समानता,न्याय और कर्तव्य–को प्रतिबिंबित करें। अन्यथा ये केवल औपचारिक आयोजन बनकर रह जाएंगे, जिनका समाज पर कोई स्थायी प्रभाव नहीं होगा।

अंततः यह प्रश्न प्रशासन से अधिक समाज से भी जुड़ा है। हमें यह तय करना होगा कि हम किसे सम्मानित मानते हैं–उसे जिसके पास पद और प्रमाण-पत्र हैं,या उसे जिसने अपने कार्य से समाज की चेतना को समृद्ध किया है। जब तक यह निर्णय स्पष्ट नहीं होगा,तब तक प्रशंसा-पत्रों की राजनीति पर सवाल उठते रहेंगे।

गणतंत्र की मजबूती केवल संस्थानों से नहीं,बल्कि उन व्यक्तियों से आती है जो बिना किसी पुरस्कार की अपेक्षा के अपना कर्तव्य निभाते हैं। ऐसे लोगों को पहचानना और सम्मान देना ही किसी स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। यदि प्रशासन इस दिशा में ईमानदार प्रयास करे, तभी प्रशंसा-पत्र वास्तव में प्रशंसा के पात्र बन पाएँगे।

अजित पवार:आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है,बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई,तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे,उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया,उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये,भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है,अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है।

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़ रहे,राजकमल स्टूडियो में काम किया,लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही,किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं,जमीन से निकली हुई राजनीति थी,जिसमें किसानों की पीड़ा,सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं,बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की री मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक,चीनी मिल,सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और

पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बे ते कद का प्रमाण था,लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं,बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि,बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया,वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं,फैसलों से पहचाने जाते थे।

उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था,बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट,वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पके ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया,कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं,निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें? जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी,सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए।

शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद,कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था,बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था,जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी,रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी,उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे,योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है,जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है।

अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता,ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि,अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई,बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हे एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे,लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी,लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है,जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती,बल्कि निर्णय,जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है। उनका जाना एक चेतावनी भी है और एक स्मृति भी,क्योंकि सत्ता क्षणभंगुर है,लेकिन अनुभव और प्रभाव लंबे समय तक याद किए जाते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में दादा के नाम से पहचाना जाने वाला यह व्यक्तित्व अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है,लेकिन उसकी छाया आने वाले वर्षों तक राज्य की राजनीति पर बनी रहेगी।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच संपन्न मुक्त व्यापार समझौता रणनीतिक घोषणा

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम,मध्यप्रदेश

भारत और यूरोपीय संघ के बीच संपन्न मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक व्यापारिक दस्तावेज नहीं,बल्कि उभरते बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में एक रणनीतिक घोषणा है,जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब अमेरिका और चीन के इर्द-गिर्द ही नहीं घूमेगी। लगभग 140 करोड़ आबादी वाले भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह समझौता विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को औपचारिक रूप से जोड़ता है, जिनका संयुक्त योगदान वैश्विक जीडीपी का करीब 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का लगभग एक तिहाई है।

इस एफटीए का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा टैरिफ और प्रतिबंधों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने तथा चीन के आक्रामक आर्थिक विस्तार ने कई देशों को वैकल्पिक साझेदार तलाशने के लिए मजबूर किया है। भारत-ईयू समझौता इसी वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक धुरी का संकेत देता है। समझौते के तहत भारत ने चरणबद्ध तरीके से यूरोपीय कारों,वाइन, औद्योगिक मशीनरी,रसायन, मेडिकल उपकरण और उच्च गुणवत्ता वाले स्टील पर आयात शुल्क में उल्लेखनीय कटौती पर सहमति दी है,जिससे भारतीय उद्योग को उन्नत तकनीक और प्रतिस्पर्धी उत्पाद सुलभ होंगे।

इसके बदले यूरोपीय संघ ने भारतीय वस्त्र,परिधान,चमड़ा, रत्न-आभूषण,दवाइयों,कृषि-आधारित उत्पादों और आईटी सेवाओं के लिए अपने बाजार और अधिक खोलने का वादा किया है, जिससे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना बनेगी। नए तथ्यों में यह भी महत्वपूर्ण है कि समझौते में टिकाऊ विकास, कार्बन उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा, डिजिटल व्यापार, डेटा संरक्षण और आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है, जो इसे पारंपरिक एफटीए से आगे ले जाते हैं। इसके अलावा कुशल पेशेवरों की आवाजाही, छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए वीजा प्रक्रिया में सरलता तथा संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने के प्रावधान भारत-ईयू संबंधों को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि ज्ञान और नवाचार आधारित साझेदारी में बदलते हैं।

भू-राजनीतिक दृष्टि से यह समझौता इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता, नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूती देता है। कुल मिलाकर भारत और यूरोपीय संघ का एफटीए आर्थिक समृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक शक्ति संतुलन में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो यह संदेश देता है कि सहयोग, पारदर्शिता और बहुपक्षीयता ही भविष्य की अर्थव्यवस्था का आधार होंगे।

सुधारों की गति बढ़ाए बजट,अब निर्णायक और मूलभूत परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे

तरुण गुप्त

विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत की कार्यान्वयन क्षमता उसकी आकांक्षाओं जितनी ही तीव्र एवं प्रभावी होनी चाहिए। सतही या क्रमिक सुधारों का समय बीत चुका है। अब निर्णायक और मूलभूत परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे।

हर साल फरवरी में आने वाले बजट को एक ऐसे राष्ट्रीय पथप्रदर्शक के रूप में देखा जाता है,जिसके माध्यम से देश की ढांचागत समस्याओं के समाधान की आस जुड़ी होती है। हालांकि वास्तविकता यह है कि संसाधन सीमित हैं,लेकिन चुनौतियां विकराल। केंद्रीय वित्त मंत्री के हाथों में जहां करीब 50 लाख करोड़ रुपये के खर्च का बहीखाता होता है,वहीं केंद्र और राज्यों का सम्मिलित सालाना व्यय करीब 100 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाता है।यह भारी-भरकम राशि भी हमारी जीडीपी के 30 प्रतिशत से भी कम है। जबकि विकसित देशों में यह सालाना खर्च उनकी जीडीपी का 40 से 50 प्रतिशत तक होता है। हमारी विशालकाय जनसंख्या को देखते हुए प्रति व्यक्ति पैमाने के संदर्भ में विकसित देशों और हमारे बीच अंतर की यह खाई और चौड़ी हो जाती है। खर्च की राशि और मात्रा से इतर उसकी गुणवत्ता को समझना भी महत्वपूर्ण है। हमारे कुल व्यय का करीब 25 प्रतिशत ब्याज भुगतान में खर्च हो जाता है,जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह स्तर 10 प्रतिशत से कम है। हमारे संदर्भ में ब्याज पर भारी भुगतान का कारण जीडीपी अनुपात में कर्ज के ऊंचे स्तर से

अधिक अपेक्षाकृत कमजोर क्रेडिट रेटिंग के चलते मिलने वाला महंगा कर्ज अधिक जिम्मेदार है। ब्याज भुगतान,वेतन, पेंशन और सब्सिडी जैसे खर्च की प्रतिबद्ध मद ही हमारे 60 प्रतिशत संसाधनों को सोख लेती हैं और ऐसी स्थिति में बुनियादी ढांचे से जुड़े परिसंपत्ति निर्माण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे सामाजिक संकेतकों और रक्षा पर खर्च करने के लिए मात्र 40 प्रतिशत संसाधन शेष रह जाते हैं।

बजट की प्रक्रिया में अपर्याप्त व्यय आवंटन के जरिये एक खराब शुरुआत होती है। कम प्रति व्यक्ति खर्च स्थिति को और बिगाड़ देता है। तिस पर कमजोर क्रियान्वयन हमारी परेशानियां और कई गुना बढ़ा देता है। परिणामस्वरूप विकास के मोर्चे पर कई विसंगतियां सामने आती हैं, जिसे केंद्र और राज्य सरकारों के बजट दूर करने में असमर्थ रहे हैं। चूंकि केंद्र सरकार ही सर्वाधिक राजस्व जुटाती और खर्च करती है तो स्वाभाविक रूप से अपेक्षाओं का बोझ भी उसे ही उठाना पड़ता है। अधिक खर्च करने के लिए वित्त मंत्री को ज्यादा आय की व्यवस्था करनी होगी। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

मौसम विज्ञान विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए अक्षय मोहन भट्ट सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

26 जनवरी को प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर में आयोजित भव्य समारोह में योग्य अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2025 के लिए विदर्भ,मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र में कार्यरत राजपत्रित (वैज्ञानिक श्रेणी) द्वितीय वर्ग के अधिकारियों में से मौसम कार्यालय अंबिकापुर के मौसम विज्ञानी-बी अक्षय मोहन भट्ट को उनके उत्कृष्ट विभागीय कार्य एवं सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत संचालित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर के अधीन विदर्भ,मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र शामिल हैं। इस व्यापक क्षेत्र में मौसम विभाग की विभिन्न इकाइयां–सतही वेधशालाएं,विमानन मौसम सेवाएं,डॉप्लर रडार,रेडियो सॉन्डे वेधशालाएं एवं कृषि मौसम सेवाएं–24म7 मौसम निगरानी और प्रेक्षण का कार्य करती हैं। इन इकाइयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के सतत परिश्रम से सटीक मौसमी पूर्वानुमान तैयार कर आमजन तक समय पर प्रसारित किए जाते हैं। अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण कर चुका भारत मौसम विज्ञान विभाग नवीनतम शोधों और आधुनिक कार्य प्रणालियों के माध्यम से लगातार पूर्वानुमानों की सटीकता बढ़ाने की दिशा में कार्यरत है।

धान लोड ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार किशोर व युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के सलबा मोड़ के पास मंगलवार की रात करीब 9 बजे धान लोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार किशोर व युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महेन्द्र यादव उम्र 16 वर्ष व विजय लाल यादव उम्र 19 वर्ष दोनों मैनपाट के परपटिया व अरगोती के रहने वाले थे। मंगलवार की रात को दोनों युवक बाइक में सवार होकर लखनपुर से उदयपुर के डांडगांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में उदयपुर थाना क्षेत्र के सलबा मोड़ के पास सामने से आ रहे धान लोड ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हायर सेकेंडरी सरहरी को मिला 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय' का पुरस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी के खाते में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ी है। जिला मुख्यालय सूरजपुर में आयोजित गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के दौरान सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने विद्यालय को 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय 2026 के लिए जिला स्तरीय सम्मान से पुरस्कृत किया। यह सम्मान विद्यालय के प्राचार्य दिलीप तिवारी ने ग्रहण किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी ने जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 91.20 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर स्कूल को 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्राचार्य दिलीप तिवारी ने कहा,यह उपलब्धि स्कूल के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमारा लक्ष्य केवल रेटिंग सुधारना नहीं, बल्कि बच्चों की आदतों में सकारात्मक और स्थाई बदलाव लाना है। राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि स्वच्छता और हरित विद्यालय मूल्यांकन में 5-स्टार रेटिंग मिलना पूरे विद्यालय परिवार और जिले के लिए गर्व की बात है। यह सभी स्टाफ और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों की जीत है।

कुत्ते के काटने के 28 दिन बाद वृद्ध की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कुत्ते के काटने से वृद्ध की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार झनक राम राजवाड़े उम्र 65 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम तुरना काा रहने वाला था। 31 दिसंबर की रात को वह लघुशंका के लिए घर से बाहर निकला था। तभी एक श्वान ने उसपर हमला कर दिया। श्वान उसके हाथ व चेहरे काट कर जख्मी कर दिया था। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था।

कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी,साइबर एंगल से जांच तेज

फर्जी मेल की आशंका,न्यायिक सुरक्षा पर उठे सवाल...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की घटना ने प्रशासन और आम नागरिकों को सतर्क कर दिया है। बुधवार को जिला न्यायालय के एक न्यायाधीश के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकीभरा मेल मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अमला तत्काल हरकत में आ गया। सूचना मिलते ही पूरे न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। न्यायाधीश की सूचना पर डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल,एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो, सीएसपी राहुल बंसल के साथ बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीमें मौके पर पहुंचीं। एहतियातन कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। न्यायालय में प्रवेश करने वाले अधिवक्ताओं,फरियादियों और आम लोगों की सघन जांच की गई,वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भी बारीकी से तलाशी ली गई। कोतवाली पुलिस और साइबर टीम ने संयुक्त रूप से बम स्क्वायड व डॉग स्क्वायड के साथ करीब चार घंटे तक न्यायालय परिसर में जांच अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न कोर्ट रूम,कार्यालयों और आसपास के क्षेत्रों की गहन जांच की गई। हालांकि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला,लेकिन लंबे समय तक चली कार्रवाई के कारण न्यायालय परिसर में दहशत और असहजता का माहौल बना रहा। इस संबंध में डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने बताया कि धमकीभरा मेल एक न्यायाधीश के आधिकारिक ई-मेल पर प्राप्त हुआ था। प्राथमिक जांच में यह मेल आउटलुक मेल आईडी से 'जीवा बिंदई' नाम से भेजा गया पाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मेल फर्जी प्रतीत हो रहा है, लेकिन किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। मेल भेजने वाले की पहचान,उसकी लोकेशन और मंशा को लेकर साइबर टीम द्वारा तकनीकी जांच की जा रही है।

न्यायालय की सुरक्षा बढ़ाई गई...

एसएसपी ने स्पष्ट किया कि न्यायालय परिसर में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी, लेकिन इस घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि न्यायिक संस्थानों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि डिजिटल माध्यमों से दी जा रही धमकियों को कितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हालांकि धमकी फर्जी होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

62 वर्षीय मृत महिला के पेट से निकला 11 किलो का ट्यूमर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंह देव शासकीय मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टरों को एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 62 वर्षीय महिला के पेट से 20 साल पुराना विशाल गर्भाशय फाइब्रोइड (ट्यूमर) निकाला गया,जिसका वजन करीब 11 किलो और परिधि 37 इंच थी। फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. संतू बाग ने बताया कि महिला पिछले 20 वर्ष से पेट में सूजन के साथ जीवन जी रही थी,लेकिन कभी इलाज नहीं कराया। 25 जनवरी 2026 को अचानक चक्कर आने से गिरने के बाद उसकी मौत हो गई। मृत्यु के बाद किए गए पोस्टमार्टम में यह असाधारण फाइब्रोइड सामने आया। पोस्टमार्टम टीम में शामिल डॉ. संतू बाग और पैथोलॉजिस्ट डॉ. दीपक गुप्ता ने बताया कि इतने लंबे समय तक शरीर में इतना बड़ा फाइब्रोइड रहना अत्यंत दुर्लभ है। समय रहते जांच और उपचार होता तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। डॉक्टरों के अनुसार,पेट में लगातार सूजन,दर्द या असामान्य बदलाव को नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। यह मामला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की गंभीर आवश्यकता को दर्शाता है। विशेषज्ञों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की शारीरिक समस्या को लंबे समय तक अनदेखा न करें और समय पर चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें।

जमीन को लेकर नानी की हत्या,आरोपी नाती गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र में 26 जनवरी को जमीन को लेकर नाती ने इंट से नानी के सिर पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सुन्दरिया लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम राता की रहने वाली थी। इसकी एक लडक़ी थी, जिसके दो बेटे हैं और तीन से चार वर्ष पूर्व बेटी की मौत हो गई है। सुन्दरिया एक स्थान का जमीन अपने बड़े नाती के नाम कर दी थी। छोटा नाती बाबूलाल को जमीन नहीं देना चाहती थी। दूसरे स्थान के जमीन भी बड़े नाती को दे देने की बात अक्सर कहती थी। इसी बात को लेकर छोटा नाती बाबूलाल से नानी से विवाद करता था। 26 जनवरी को जमीन को लेकर नानी व नाती के बीच विवाद हो गया। इस दौरान गुस्से में बाबूलाल ने इंट से नानी के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद घर के कोने में रखे पेटी से मारकर मौत के घाट उतार दिया। मृतका के भतीजा किशुन केरकेट्टा को घटना की जानकारी होने पर वह पुलिस को बताया। पुलिस ने आरोपी बाबुलाल किंडो पिता तिलसाय किंडो उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

राजस्व निरीक्षक को 4 साल का कठोर कारावास

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

कोर्ट भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम अंबिकापुर ने आरोपी राजस्व निरीक्षक को 4 वर्ष का कटोर कारावास की सजा सुनाया है। वर्ष 2020 में आरोपी ने अपने पद व अधिकार का गलत फायदा उठाते हुए नक्सा काटने व रिकॉर्ड दूरूस्त करने के नाम पर महिला से रिश्वत की मांग की थी। महिला से 5 हजार रुपए रिश्वत लेते एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार कृष्णानगर अंबिकापुर निवासी अर्चना खाखा ने 17 जुलाई 2020 को उप पुलिस अधीक्षक, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), अंबिकापुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2018 में उनके पति राकेश खाखा ने ग्राम ठाकुरपुर स्थित खसरा नंबर 542/12, रकबा 0.04 हेक्टेयर भूमि क्रय कर रजिस्ट्री कराई थी। नक्शा काटने और राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करने के एवज में राजस्व निरीक्षक राजबहादुर सिंह ने 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। प्रार्थिया ने रिश्वत देने से इनकार करते हुए आरोपी को रंगे हाथ पकड़वाने का निर्णय लिया। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह 10 हजार रुपये से एक रुपया भी कम नहीं लेगा। अगले दिन जमीन नापने के बाद उसने दोबारा रिश्वत की मांग की। इस दौरान प्रार्थिया ने 2 हजार रुपये दिए और शेष 8 हजार रुपये नक्शा कटने के बाद देने की बात कही।

अवैध रूप से मोटर सायकल में 45 पांव अंग्रेजी शराब ले जा रहे दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
राजपुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर पुलिस ने मुखबिर से सूचना मिली की शंकरगढ़ की ओर बाइक सवार दो व्यक्ति शराब लेकर जा रहे हैं पुलिस ने बाइक सवार आरोपियों को रोककर तलाशी ली तो पिट्ठू बैग में 45 पांव अवैध अंग्रेजी शराब रखे थे, पुलिस ने दोनों आरोपियों पर कार्यवाही कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। जानकारी के अनुसार दिनांक 27.01.26 को मुखबिर से सूचना मिली की मोटर सायकल चालक एक बैग में अंग्रेजी शराब भरकर एक व्यक्ति से पीठ में लादकर मोटर सायकल में पीछे बैठाकर शंकरगढ़ की ओर अवैध परिवहन करते जा रहे हैं कि सूचना पर थाना प्रभारी राजपुर द्वारा तत्काल थाना स्टाफ़ के माध्यम से बूढ़ा बगीचा में घेरा बंदी कर मोटर साइकिल चालक (01) शिवप्रसाद पिता अमन साय उरांव 28 वर्ष एवं (02) ओमप्रकाश दिवान पिता सुखदेव दिवान 30 वर्ष दोनों निवासी ग्राम कमारी थाना शंकरगढ़ जिला बलरामपुर को चेक कर पूछ ताछ किया गया। आरोपियों को अंग्रेजी शराब को अपने कब्जे में रखने व परिवहन करने का वैधानिक दस्तावेज मांगा गया आरोपियान द्वारा कोई दस्तावेज का नहीं होना बताए जाने पर मोटर साइकिल क्रमांक CG 30 C 1334 एवं कुल 45 पऊआ अंग्रेजी शराब 1. JAMMU Special Whiskey-180 ml 35 नग क़ीमत Rs.120/- प्रति पौआ 2. Party Special-180 ml 10 नग कीमत Rs.160/-प्रति पौआ कुल जुमला रक़म Rs 5800/- को आरोपियान के कब्जे से जप्त कर वजह सबूत में कब्जा पुलिस लिया गया! आरोपियान का यह कृत्य आबकारी अधिनियम का अपराध घटित करना पाये जाने से थाना में अपराध क्रमांक 18/2026 धारा-34(2) दर्ज कर आरोपीयान को आज दिनांक 28.01.26 को माननीय jmfc न्यायालय राजपुर में पेश किया गया है!

संभाग के इकलौते श्रमजीवी पत्रकार भवन का प्रतापपुर में भव्य लोकार्पण

विधायक शकुंतला पोर्ते ने किया उद्घाटन

नवीन रेस्ट हाउस भवन का भी हुआ शिलान्यास

-संवाददाता-
प्रतापपुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

संभाग के इकलौते श्रमजीवी पत्रकार भवन का लोकार्पण अनाज मंडी के समीप प्रतापपुर में विधिवत पूजा-पाठ एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। यह भवन लंबे समय से पत्रकारों की बहुप्रतीक्षित मांग थी,जो अब साकार रूप ले चुकी है। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतापपुर विधानसभा की विधायक शकुंतला पोर्ते मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद अवस्थी, जिला अध्यक्ष मुकेश गर्ग सहित सूरजपुर, भटगांव,ओड़गी,भैयाथान,वाड्रफनगर तथा प्रतापपुर जनपद के स्थानीय पत्रकारों की गरिमामय उपस्थिति रही। लोकार्पण अवसर पर नवीन रेस्ट हाउस भवन का शिलान्यास भी किया गया, जिससे क्षेत्रीय नागरिकों एवं आगंतुकों को भविष्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम में स्थानीय अधिवक्ताओं,पत्रकारों एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की सहभागिता रही, जिससे आयोजन अत्यंत सफल और गरिमामय बन गया। इस अवसर पर प्रतापपुर के स्थानीय पत्रकारों द्वारा विधायक शकुंतला पोर्ते एवं बाहर से पधारे सभी अतिथि पत्रकारों का पुष्पमाला, साल एवं श्रीफल से आत्मीय स्वागत किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद अवस्थी द्वारा बाहर से आए हुए पत्रकारों एवं स्थानीय पत्रकारों को मंच पर बैठाकर पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाने के लिए स्थानीय विद्यालय के बच्चों एवं सैला टीम द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन में उत्साह और जीवंतता का संचार किया। स्वागत उपरांत प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद अवस्थी एवं जिला अध्यक्ष मुकेश गर्ग ने अपने उद्बोधन में पत्रकारों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं,चुनौतियों एवं आवश्यकताओं को विधायक के समक्ष रखा। उन्होंने पत्रकार भवन में शेष सुविधाओं एवं आवश्यक सुधार कार्यों को पूर्ण कराने की मांग रखते हुए सहयोग का आग्रह किया, जिस पर विधायक द्वारा सकारात्मक आश्वासन दिया गया। अंत में विधायक शकुंतला पोर्ते ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ बताते हुए कहा कि पत्रकार भवन न केवल पत्रकारों के लिए, बल्कि आम जनता के हितों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने भविष्य में पत्रकारों एवं क्षेत्र की जनता से जुड़ी हर जनहितकारी मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया।

वहीं श्रमजीवी पत्रकार संघ की ओर से सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला,राजेश गुप्ता,चंद्रिका कुशवाहा, अवधेश पांडे,अनूप विश्वास,मनीष गुप्ता, सचिन तायल,समलेश गुप्ता,सोनू कश्यप, राजा खान, शहादत हुसैन,महबूला खान,जीशान खान,भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल, सांसद प्रतिनिधि आनंद शुक्ला,गुलाब मोहन तिवारी,अक्षय तिवारी, लक्ष्मी गुप्ता,समाजसेवीका प्रतिमा सिंह,अधिवक्तासंघ अध्यक्ष धनंजय गुप्ता,आयोजन में प्रशासनिक स्तर पर एसडीएम, राजस्व विभाग,पुलिस विभाग, चौकी प्रभारी,अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी,स्थानीय जनप्रतिनिधि संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा सरगुजा के नवीन जिला कार्यालय भूमि पूजन को लेकर बैठकों का आयोजन

02 फरवरी को प्रस्तावित भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा?

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

आज संकल्प भवन स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा के जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य, पार्षद दल तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा की क्रमशः महत्वपूर्ण बैठकें संपन्न हुईं। इन बैठकों का उद्देश्य 02 फरवरी 2026 को प्रस्तावित भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के नवीन जिला कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देना रहा। बैठकों में मुख्यमंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की व्यवस्था, सुरक्षा, अतिथि प्रबंधन एवं आपसी समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने हेतु कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का नवीन जिला कार्यालय बनना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यह भवन केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि भाजपा के विचार, संगठन और संघर्ष का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ स्तर पर निवासरत बैगा, पुजारी,समाज प्रमुखों एवं प्रबुद्धजनों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा परिवार से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता,पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यह नया कार्यालय भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक माइलस्टोन सिद्ध होगा और संगठन को और अधिक मजबूत आधार प्रदान करेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि नवीन जिला कार्यालय का भूमि पूजन कार्यक्रम संगठन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की तैयारियों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय कार्यकर्ताओं के परिश्रम, विश्वास और एकजुटता का परिणाम है। भूमि पूजन कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे यह आयोजन संगठनात्मक एकता और जनसमर्थन का प्रतीक बने। इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का नया जिला कार्यालय शहर और जिले के लिए गर्व का विषय है। यह भवन संगठन के साथ-साथ जनसेवा और विकास कार्यों का भी केंद्र बनेगा।

CMYK

बिजली-सड़क-पट्टा को लेकर सोनहत में भड़की जनहुंकार

जनसमस्याओं को लेकर सोनहत में ऐतिहासिक जनसभा

सोनहत में गूंजी 'हुंकार': जनसमस्याओं को लेकर उमड़ा जनसैलाब...एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

- जनअधिकारों के लिए सोनहत में ऐतिहासिक हुंकार,कोरिया जन सहयोग समिति ने खोला मोर्चा
- सोनहत में विकास की मांगों को लेकर विशाल जनसभा,प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन
- जब जनता खुद बनी आवाजः सोनहत में गैर-राजनीतिक मंच से गूंजी 'हुंकार'
- बिजली,सड़क,नेटवर्क,वन अधिकार और मितानिन मानदेय को लेकर सैकड़ों ग्रामीण हुए एकजुट...
- राजनीति से अलग जनता की हुंकार, सोनहत की सड़कों पर गूंजे अधिकारों के नारे...
- हक की लड़ाई में एकजुट सोनहत,प्रशासन को झुकाने उतरा जनसैलाब...

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। सोनहत क्षेत्र वर्षों से बुनियादी सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक उपेक्षा और लंबित जनहित मांगों की मार झेलता आ रहा है। बिजली,सड़क, नेटवर्क,स्वास्थ्य,शिक्षा,वन अधिकार और राजस्व संबंधी समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीणों का सब्र अब जवाब देने लगा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर बुधवार को कोरिया जन सहयोग समिति के नेतृत्व में सोनहत में ऐतिहासिक जनसभा आयोजित की गई,जिसे नाम दिया गया–'हुंकार '। इस विशाल जनसभा में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण,महिलाएं,युवा,मितानिन संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता,अधिवक्ता और पत्रकार उपस्थित रहे, जनसभा के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से प्रशासन को सौंपा गया,जिसमें क्षेत्र की लगभग हर गंभीर समस्या को बिंदुवार रखा गया, सभा स्थल पर प्रशासन की ओर से तहसीलदार सोनहत संजय राठौर पहुंचे,जिन्होंने ज्ञापन प्राप्त कर कई समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया तथा शेष मांगों को शासन स्तर तक भेजने की बात कही,सोनहत में उठी यह 'हुंकार'अब केवल एक संगठन का आंदोलन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक आवाज बन चुकी है। जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि अब कागजी विकास नहीं,धरातल पर परिणाम चाहिए। यदि प्रशासन द्वारा मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो यह जनांदोलन और व्यापक रूप लेने से पीछे नहीं हटेगा,यह हुंकार अब सोनहत की पहचान बन चुकी है। अधिकार,सम्मान और विकास की लड़ाई की पहचान, कार्यक्रम में अधिवक्ता जयचन्द सोनपाकर अधिवक्ता राजा अली अंसारी अधिवक्ता अरविंद सोनी, अधिवक्ता संजय साहू अधिवक्ता अवध यादव, छ0 ग0 श्रम जीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश कार्यकारी कृष्णा सिंह बाबा,सम्पादक सम्वर्त कुमार रुप,पुष्पेंद्र राजवाड़े, समय लाल कमलवंशी,उपाध्यक्ष राजू साहू जय प्रकाश राजवाड़े,महा सचिव राज कुमार साहू सचिव उदय राज सिंह,सरपंच मेण्ड्रा कबीर दास , सोनमति साहू मितानिन संगठन,सुन्दरकली तिर्की,कौशिल्या राजवाड़े,प्रफुल पाण्डेय, बालकरन शब्बीर मोमिन मोहन यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जनसभा में उमड़ा जनसैलाब,बनी ऐतिहासिक मिसाल...

बुधवार को सोनहत का दृश्य सामान्य नहीं था,दूर-दराज के गांवों से ग्रामीण पैदल,मोटरसाइकिल और चारपहिया वाहनों से सभा स्थल तक पहुंचे,ग्रामीणों की भारी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल से प्रेरित नहीं,बल्कि आम जनता के दर्द की सामूहिक अभिव्यक्ति है, क्षेत्र के बुजुर्गों और जानकारों का कहना है कि गैर-राजनीतिक मंच पर सोनहत में इतनी बड़ी भीड़ पहली बार देखी गई,जो यह दर्शाती है कि जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस समाधान चाहती है।

अंधेरे के खिलाफ संघर्ष : अधूरा विद्युतीकरण बना बड़ी समस्या...

ग्रामीणों ने बताया कि नावटोला,कचोहर,चंदहा सहित कई गांवों में वर्षों पहले विद्युतीकरण कार्य शुरू तो हुआ,लेकिन आज तक पूर्ण नहीं हो सका। कई मोहल्लों में खंभे लगे हैं,पर तार नहीं,कहीं ट्रांसफार्मर नहीं तो कहीं कनेक्शन अधूरा है,समिति ने मांग की कि नावटोला, कचोहर, चंदहा में तत्काल बिजली आपूर्ति शुरू की जाए,कछाड़ी से जोगिया तक बिजली विस्तार किया जाए, रावतसराई,बेलार्ड,पत्थरगवां,रजपुरी,भलुवार व परिहत क्षेत्रों में पूर्ण विद्युतीकरण हो,साथ ही सोनहत,सलगवां,कैलाशपुर और कुशमाहा में वर्षों से खराब पड़ी रोड लाइटों को हटाकर नई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग उठाई गई।

डिजिटल भारत से कटे गांव : नेटवर्क बना बड़ी चुनौती

डिजिटल युग में भी रामगढ़ और मेण्ड्रा क्षेत्र के ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क से वंचित हैं, विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई, किसानों की ई-सेवाएं,बैंकिंग और आपात सेवाएं तक बाधित रहती हैं,जनसभा में मांग रखी गई कि रामगढ़ क्षेत्र की सभी पंचायतों में सुचारू नेटवर्क व्यवस्था हो, ग्राम पंचायत मेण्ड्रा में स्थायी मोबाइल टावर लगाया जाए ग्रामीणों ने इसे डिजिटल भेदभाव करार दिया।

सड़कों की बदहाली : विकास की सबसे बड़ी बाधा...प्रमुख मांगें इस प्रकार रही...

- रामगढ़-कोटाडोल 27 किमी पक्की सड़क का तत्काल निर्माण
- मेण्ड्रा से रजपुरी-भलुवार-परिहत होते हुए अमहर तक सड़क
- नावटोला से देवतिडांड एवं हर्रा डीह तक पक्की सड़क
- बदरा-बंशीपुर डब्ल्यूबीएम सड़क कार्य प्रारंभ
- सोनहत जनपद से हाउसिंग बोर्ड,फॉरेस्ट चौक से तहसील कार्यालय तक जर्जर सड़क मरम्मत
- मजार चौक से उरांव पारा स्कूल व भारत स्कूल से नवीन कॉलेज तक पक्की सड़क इसके अलावा गिधेर एवं सेमरिया में वर्षों से टूटे पुलों के पुनर्निर्माण की भी मांग की गई।

सामाजिक न्याय की मांग : पंडो जनजाति और राजस्व ग्राम का मुद्दा...

जनसभा में पंडो जनजाति के जाति प्रमाण पत्र का मुद्दा विशेष रूप से गूंजा,वक्ताओं ने कहा कि प्रमाण पत्र के अभाव में पंडो समाज के लोग शासन की योजनाओं से वंचित हैं,मांग की गई कि ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर विशेष शिविर लगाकर जाति प्रमाण-पत्र बनाए जाएं, नक्शे से छूटे लोलकी गांव और सोनहत के उरांव पारा को राजस्व ग्राम घोषित किया जाए,ताकि लोगों को पट्टा,आवास और सरकारी लाभ मिल सके।

वन अधिकार पट्टा : अतिक्रमण के नाम पर अन्याय बंद हो...

समिति ने स्पष्ट मांग रखी कि पात्रता सूची में दर्ज हितग्राहियों को तत्काल वन अधिकार पट्टा प्रदान किया जाए, जिनका नाम सूची में है, उनके घरों को अतिक्रमण बताकर न गिराया जाए,वक्ताओं ने इसे आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताया।

मितानिन बहनों की पीड़ा बनी आंदोलन का केंद्र...

स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मितानिन बहनों का वर्षों से लंबित मानदेय और प्रोत्साहन राशि अब भी भुगतान के इंतजार में है,मांगें रखी गई मितानिनों एवं ब्लॉक-जिला स्तर के पदस्थ कर्मियों का लंबित भुगतान, सोनहत में निर्मित मितानिन भवन को तत्काल हैंडओवर किया जाए, महिला संगठनों ने कहा कि सम्मान और समय पर भुगतान के बिना स्वास्थ्य सेवा मजबूत नहीं हो सकती।

शिक्षा, खेल और रोजगार पर भी जोर...

समिति ने रजपुरी में प्राथमिक शाला,उरांव पारा में आंगनबाड़ी केंद्र, सोनहत,सलगवां,कैलाशपुर, रामगढ़ व भैसवार में अधूरे मिनी स्टेडियम पूर्ण करने, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार बढ़ाने की मांग रखी।

नेताओं और समाजसेवियों के तीखे बयान

- पुष्पेंद्र राजवाड़े (अध्यक्ष) ने कहा...'हुंकार केवल ज्ञापन नहीं, बल्कि व्यवस्था को जगाने की चेतावनी है। अब अधिकार लेकर ही लौटेंगे।
- अधिवक्ता जयचंद सोनपाकर बोले...'नक्शे से बाहर गांव लोकतंत्र पर प्रश्न हैं। जरूरत पड़ी तो कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। '
- रजा अली अंसारी ने कहा...'जाति प्रमाण पत्र और वन अधिकार में देरी संवैधानिक अधिकारों का हनन है। '
- कृष्णा सिंह बाबा ने कहा...'मितानिन बहनों के साथ अन्याय अब बर्दाश्त नहीं होगा। '
- एस.के. रूप (संपादक) ने स्पष्ट किया...'यदि पंडो जाति प्रमाण पत्र नहीं बने तो मामला उच्च न्यायालय तक जाएगा।'
- राजन पाण्डेय (संरक्षक) ने कहा...'यह हुंकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय दिलाने का संकल्प है।'

पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव का सूरजपुर आगमन

कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत,संगठन मजबूत करने का दिया संदेश

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं सरगुजा महाराजा टी.एस. सिंहदेव के सूरजपुर जिले में आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। जिले भर में आयोजित स्वागत, जनसंपर्क और मुलाकात कार्यक्रमों के माध्यम से उनका दौरा पूरी तरह राजनीतिक गतिविधियों से सराबोर रहा। इस अवसर पर कांग्रेस संगठन को एकजुट व मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव का सूरजपुर दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जहां एक ओर कार्यकर्ताओं में उत्साह और सक्रियता दिखाई दी, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। आने वाले दिनों में यह दौरा जिले की कांग्रेस राजनीति की दिशा और दशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद, संगठनात्मक मजबूती पर जोर

सूरजपुर प्रवास के दौरान टी.एस. सिंहदेव ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें संगठनात्मक अनुशासन, जनसंपर्क विस्तार और जमीनी मुद्दों को मजबूती से उठाने का संदेश दिया, उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ताकत उसका कार्यकर्ता है और आने वाले समय में पार्टी को गांव-गांव तक मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए, पूर्व उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता के सवालों को मजबूती से उठाना और संगठन में समन्वय बनाकर चलना ही कांग्रेस की राजनीतिक दिशा तय करेगा।

दौरे की शुरुआत अश्विनी सिंह के निवास से...

टी.एस. सिंहदेव का कार्यक्रम सर्वप्रथम पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह के निवास से प्रारंभ हुआ,जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात की,इसी दौरान एनएसयूआई द्वारा आयोजित छात्र कौशल प्रतियोगिता के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया,इस अवसर पर युवाओं को राजनीति के साथ-साथ शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ने का आह्वान किया गया।

गांव-गांव पहुंचा स्वागत कार्यक्रम,टी.एस. सिंहदेव का काफिला विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचा, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया...

- ग्राम परीं में कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात
- वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजेन्द्र गोयल के निवास पर चर्चा बैठक
- देवनगर मंडी का निरीक्षण
- ग्राम कल्याणपुर में स्वागत कार्यक्रम
- पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े के निवास पर मुलाकात
- कंचननगर में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत
- प्रेमनगर में माता कर्मा चौक का लोकार्पण
- चंदननगर में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष तुलसी यादव के निवास पर भेंट-मुलाकात इसके बाद वे चंदननगर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए, जहां खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

वरिष्ठ नेताओं की रही मौजूदगी...

- पूर्व सांसद खेलसाय सिंह
- पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह
- पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े
- श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद
- पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े
- पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी शिवभजन मरावी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिला व ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे...

- जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह
- शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया
- नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े
- ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर
- मनोज अग्रवाल,विष्णु कसेरा
- युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेन्द्र यादव
- एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू
- नीरज तायल,शिवम साहू, लिवनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस में गुटबाजी फिर आई सामने- पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के सूरजपुर प्रवास के दौरान जिले की कांग्रेस राजनीति में गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आती नजर आई, कार्यक्रमों के दौरान भूपेश बघेल समर्थक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी रही, स्वागत कार्यक्रमों, बैठकों और आयोजनों में जहां पैलेस समर्थक नेताओं की सक्रिय मौजूदगी दिखाई दी,वहीं भूपेश खेमे से जुड़े अधिकांश नेता कार्यक्रमों से दूरी बनाए रहे, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि संगठनात्मक नियुक्तियों, भविष्य की रणनीति और नेतृत्व को लेकर चल रहे अंदरूनी मतभेद अब धीरे-धीरे सार्वजनिक मंच पर नजर आने लगे हैं,यह दौरा कहीं न कहीं कांग्रेस के भीतर चल रही गुटीय राजनीति का स्पष्ट संकेत भी माना जा रहा है।

युवाओं को मोहरा बनाकर लाखों का कर्ज
यूको बैंक बैकुंठपुर में बड़ा लोन घोटाला

18-21 साल के युवा बने कर्जदार,पैसा उड़ा ले गए दूसरे

नाम युवाओं का,कर्ज बैंक का, इस्तेमाल किया किसी और ने

पढ़ने की उम्र में कर्ज का बोझ, नोटिस ने खोली लोन की परत

यूको बैंक मुद्रा लोन में बड़ा खेल, कई युवक फंसे करोड़ों के कर्ज में

-न्यूज डेस्क-
कोरिया,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर स्थित यूको बैंक शाखा इस समय जिले के सबसे बड़े मुद्रा लोन विवाद को लेकर चर्चा के केंद्र में है,बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक आनंद पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आय का कोई साधन न रखने वाले युवाओं को मोहरा बनाकर उनके नाम पर लाखों रुपये का कर्ज स्वीकृत कराया, जबकि कर्ज की राशि का उपयोग स्वयं,उनके कथित एजेंटों और करीबी लोगों द्वारा किया गया,अब जब लोन की वसूली शुरू हुई है,तो सच्चाई सामने आने लगी है और कई पीड़ित युवक मानसिक तनाव,कानूनी नोटिस और बैंक रिकवरी के भय से जूझ रहे हैं, यह समाचार पीड़ितों की शिकायत,उपलब्ध दस्तावेजों एवं सूत्रों पर आधारित है। आरोपों की पुष्टि जांच के उपरांत ही होगी,संबंधित पक्ष का पक्ष प्राप्त होने पर समाचार में प्रकाशित किया जाएगा।

एजेंट पीयूष और भाई विशाल की भूमिका पर सवाल

पूरे मामले में पीयूष नामक व्यक्ति की भूमिका को अहम बताया जा रहा है,जिसे बैंक मैनेजर आनंद का करीबी और एजेंट बताया जाता है, आरोप है कि पीयूष युवाओं को बहला-फुसलाकर बैंक लाता था उनसे दस्तावेज तैयार कराता था,कर्ज स्वीकृति के बाद उन्हें थोड़ी रकम देकर शेष राशि अपने व अन्य लोगों के उपयोग में ले ली जाती थी,जानकारी के अनुसार पीयूष के भाई के नाम पर लगभग 10 लाख रुपये,स्वयं पीयूष के नेटवर्क से 30 लाख रुपये से अधिक के लोन,अन्य युवाओं के नाम पर कई लाख रुपये के कर्ज स्वीकृत कराए गए।

बड़े सवाल जिनके जवाब बाकी

क्या युवाओं को कर्ज के दलदल में धकेल दिया जाएगा?

जिन पैसों का उपयोग उन्होंने किया ही नहीं, क्या उसकी वसूली उनसे होगी?

क्या यूको बैंक निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराएगा?

या फिर मामला फाइलों में दबा दिया जाएगा?

अथर्व प्रकरण से खुली पूरी परत

इस पूरे मामले की परत तब खुली जब अथर्व श्रीवास्तव (उम्र लगभग 20 वर्ष) के नाम पर लिए गए लोन का विवाद सामने आया,पीड़ित के अनुसार उसे कुत्ता पालन व्यवसाय के नाम पर 10 लाख रुपये का मुद्रा लोन दिलाया गया,कुछ पैसे उसे दिए गए,अधिकांश रकम अन्य लोगों द्वारा उपयोग कर ली गई,जब उसने पैसों की मांग की तो बैंक मैनेजर आनंद के भाई विशाल ने उस पर 18 लाख रुपये का कानूनी नोटिस भेज दिया,नोटिस में यह दावा किया गया कि यह राशि 'फ्रेंडली लोन' के रूप में दी गई थी,जब यह नोटिस अथर्व के परिवार के संज्ञान में आया, तब पूरे कथित षड्यंत्र की जानकारी सामने आई।

अथर्व जिसे मिला 18 लाख का नोटिस कह रहा माफ कर दो बैंक के षड्यंत्रकारी लोग

शिकायत बैंक मुख्यालय तक,कार्रवाई शून्य...

अथर्व सहित अन्य पीड़ित युवाओं ने बैंक दस्तावेज,खाता विवरण,लोन स्वीकृति फाइल के साथ यूको बैंक के उच्च अधिकारियों और मुख्यालय में लिखित शिकायत दी,परंतु आरोप है कि रायपुर में पदस्थ एक वरिष्ठ अधिकारी के संरक्षण में शिकायतों को दबा दिया गया,शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मैनेजर को समय दिया गया ताकि वह बैंक रिकॉर्ड और दस्तावेजों में सुधार कर सके।

युवाओं ने पैसा नहीं लिया,फिर वसूली उनसे क्यों?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जिन युवाओं के नाम पर कर्ज है,उन्होंने उस राशि का उपयोग नहीं किया,फिर भी बैंक वसूली उन्हीं से कर रहा है, आज स्थिति यह है कि कई युवाओं का सिबिल स्कोर खराब हो चुका है,भविष्य में उन्हें न नौकरी मिलेगी न किसी बैंक से लोन मिल सकेगा।

रायपुर में क्लब खोलने के नाम पर जुटाई गई राशि?

विशेष सूत्रों से यह भी जानकारी सामने आई है कि शाखा प्रबंधक आनंद रायपुर में एक क्लब खोलने की योजना बना रहे थे, इसके लिए बड़ी पूंजी की आवश्यकता थी,उसी पूंजी व्यवस्था के लिए युवाओं के नाम पर कर्ज लिया गया,हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन शिकायतकर्ताओं ने यही आरोप लगाए हैं।

जरूरतमंद व्यवसायियों से रिश्वत के आरोप...

मामले में यह भी आरोप है कि जिन व्यापारियों के पास सभी वैध दस्तावेज थे,उन्हें भी बिना रिश्वत के लोन नहीं दिया जाता था, एक स्थानीय व्यवसायी प्रगेश ने आरोप लगाया कि उससे 70 हजार रुपये की राशि ली गई,बाद में मामला उजागर होने पर रकम लौटाई गई इस प्रकरण में भी एजेंट पीयूष की भूमिका बताई जा रही है।

युवाओं का भविष्य संकट में...

आज कई युवा बैंक नोटिस,रिकवरी कॉल,कानूनी कार्रवाई के भय में जी रहे हैं,परिवारों की चिंता बढ़ चुकी है और प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस पूरे प्रकरण की सीबीआई या स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए,ताकि सच्चाई सामने आ सके।

18 से 21 वर्ष के युवाओं को बनाया गया कर्जदार...

शिकायतकर्ताओं के अनुसार जिन युवाओं की उम्र मात्र 18 से 21 वर्ष थी,जिनके पास न कोई स्थायी रोजगार था,न आय का प्रमाण,न व्यवसायिक अनुभव उनके नाम पर 10-10 लाख रुपये तक के मुद्रा लोन स्वीकृत कर दिए गए,इनमें कई युवक छात्र थे,कुछ निजी ड्राइवर कुछ दैनिक मजदूरी या 5-6 हजार रुपये मासिक वेतन पर कार्यरत, इसके बावजूद उन्हें बैंक रिकॉर्ड में व्यवसायी दिखाकर भारी-भरकम कर्ज दे दिया गया।

अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने 1,500 से अधिक स्कूल बैग वितरित किए

-संवाददाता-
खड़गवां,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तथा चिरमिरी एवं आसपास के गांवों में सामुदायिक हित से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर इस पावन दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। समारोह के तहत कंपनी द्वारा 1,500 से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए तथा आगामी दिनों में प्राथमिक विद्यालयों को 300 से अधिक ड्यूल डेस्क-बेंच उपलब्ध कराने की घोषणा की गई, जिससे क्षेत्र में शिक्षा और सामाजिक विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पुनः स्पष्ट होती है। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात, क्षेत्र के 23 विद्यालयों के प्राथमिक से लेकर हाई स्कूल स्तर तक के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करना तथा उन्हें निरंतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के क्रम में अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि 31 जनवरी तक ड्यूल डेस्क-बेंच का वितरण किया जाएगा। इससे उन प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जहां वर्तमान में बच्चे कक्षा के दौरान जमीन पर टाट-पट्टी पर बैठने को मजबूर हैं। विद्यालयों द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोहों में भी अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड ने सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को मिठाइयाँ और स्कूल बैग वितरित किए,जिससे उत्सव का माहौल और अधिक आनंदमय हो गया।

कंपनी के एक प्रतिनिधि ने कहा,गणतंत्र दिवस हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हम शिक्षा को सहयोग देने और चिरमिरी एवं आसपास के समुदायों में सकारात्मक और दीर्घकालिक प्रभाव डालने का प्रयास करते हैं। इन पहलों के माध्यम से अंजन माइंस प्राइवेट लिमिटेड स्थानीय समुदायों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करते हुए समावेशी एवं सतत विकास में निरंतर योगदान दे रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 24.01.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- पत्थलगांव संभाग
03. स.क्रं. 1 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्रं. 1 - 13.02.2026

स0 क्रं0	एन.आई.टी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	233	जिला जशपुर के भुईहर बस्ती से सरना पहुंच मार्ग लंबाई 0.45 कि.मी. का निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	86.51

जी नंबर-252606286/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने किया ध्वजारोहण

-संवाददाता-
कोरिया,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला पंचायत कोरिया परिसर में समारोहपूर्वक ध्वजारोहण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मोहित पैकरा ने तिरंगा फहराकर कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री पैकरा ने गणतंत्र दिवस को अधिकारों एवं कर्तव्यों की स्मृति का पर्व बताया। उपाध्यक्ष श्रीमती राजवाड़े ने 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों-कर्मचारियों से निष्ठापूर्वक कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार दरिमा ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/....../ब-121/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक / लाल साय पिता/प्रति स्व0 सुखन साय निवासी ग्राम सोहगा के द्वारा जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म / मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने माता लेतरी बाई. पति सुखन साय का जन्म/मृत्यु दिनांक 05/03/2002 को ग्राम सोहगा में होना बतलाते हुये उनके जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार
उप तहसील सोहगा

न्यायालय तहसीलदार रघुनाथपुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/....../ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम बदगरी को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अमासो गोंड पति सुमारसाय उम्र 65 वर्ष जाति गोंड निवासी ग्राम बदगरी, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपनी माता स्व. पीहो बाई पति स्व. रामधारी की मृत्यु दिनांक 02/09/2014 को मृत्यु हो जाने के कारण मृतिका का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, स्वंय का शपथपत्र, आवेदन पत्र संलग्न किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। उक्त कार्यवाही से किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 11/02/2026 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 27/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार
उप तहसील रघुनाथपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/....../ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्दूराम पोपटानी पिता हरदास मल पोपटानी निवासी गुरूनानक वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4415/5, 4416/2 कुल रकबा 0.032 हे0 मेसे रकबा 0.008 हे0 भूमि को अनावेदक राजेन्द्र कुमार माथुर पिता रमाप्रसाद माथुर निवासी मिशन चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 10,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.02.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-27/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अमरतिया पुत्री अकलू रजवार, निवासी ग्राम भकुरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भकुरा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 150/1 रकबा 0.040 हे0 भूमि का अभिलेख एवं मौके पर कब्जा के अनुरूप नक्शा दुरूस्त कराने बावत् आवेदन पत्र माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/02/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 23/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

वि0प्र0क्र0 /विशेष विवाह/2024-25

फार्म-''अ''

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक सादाब कमर आ0 कमरूद्दीन उम्र 34 वर्ष, पेशा प्रायवेट जॉब, निवासी- वार्ड क्रमांक 40, मोमिनपुरा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 एवं कुमारी सुशीला टोप्पो आ0 त्योफिल टोप्पो उम्र 31 वर्ष, पेशा प्रायवेट जॉब, निवासी ग्राम कोडलिया, जुमईकेला, कांसाबेल, जिला जशपुर छ0ग0 के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आयशित विवाह पंजीयन की सूचना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है ।

प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई व्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 16/02/2026 को दिन के 11: 00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

(सील) विशेष विवाह अधिकारी
सरगुजा-अम्बिकापुर

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक/305/स्टोर/2026 — अम्बिकापुर,दिनांकः 22/01/26

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से वाहन स्टैण्ड संचालन के निविदा हेतु फर्मों /अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में वाहन स्टैण्ड संचालन हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन से जमा जमा करने की अंतिम तिथि समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन संबद्ध	184295	27.01.2026, 10:00 AM	06.02.2026 02:00 PM	6.02.2026 03:00 PM	6.02.2026 04:00 PM

स्थान - कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक,राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

जी नंबर-252606268/2

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध
चिकित्सालय,अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

आय से अधिक संपत्ति का मामला ? चौकीदार से लिपिक बने कर्मचारी पर उठे कई संदेह चौकीदार की चौकी से करोड़ों की चाबी तक. जिला अस्पताल बैकुंठपुर में करोड़ों की संपत्ति वाला चौकीदार चर्चा में...

चौकीदार से करोड़पति तक

चतुर्थ श्रेणी की नौकरी, करोड़ों की संपत्ति- बैकुंठपुर अस्पताल में बड़ा सवाल

जिला अस्पताल बैकुंठपुर के कर्मचारी की अचल संपत्तियों ने खड़े किए कई सवाल

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/बैकुंठपुर,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। आमतौर पर अस्पताल परिसरों में रात-रात भर पहरा देने वाले चौकीदारों का जीवन संघर्ष,सीमित आय और साधारण जरूरतों के बीच गुजरता है,उनकी जिम्मेदारी अस्पताल की सुरक्षा तक सीमित मानी जाती है,लेकिन जिला अस्पताल बैकुंठपुर में पदस्थ एक चौकीदार की कहानी इन सभी धारणाओं को पूरी तरह बदलती नजर आ रही है,यह कोई अफवाह या कल्पना नहीं,बल्कि शिकायत,दस्तावेजी जानकारियों और विभागीय चर्चाओं के आधार पर सामने आया मामला है, जिसने न केवल स्वास्थ्य विभाग बल्कि पूरे जिले को हैरानी में डाल दिया है,यह वही चौकीदार है,जो कुछ वर्ष पहले तक अस्पताल गेट पर पहरा देता था और आज कोरिया जिले के सबसे अमीर लोगों की सूची में उसका नाम लिया जा रहा है।

बता दे की एक साधारण चौकीदार का एकड़ो जमीन का मालिक बन जाना,करोड़ों के विवाह भवन की तैयारी करना और जिले के अमीरों से आगे निकल जाना सवाल खड़े करता है,अब यह शासन और प्रशासन पर निर्भर करता है कि क्या यह मामला भी फाइलों में दब जाएगा या सच्चाई सामने लाई जाएगी,क्योंकि जब पहरेदार ही महल बना ले,तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं

यह प्रकरण केवल एक चौकीदार तक सीमित नहीं है,यह सवाल खड़ा करता है अस्पतालों में कौन किस पद पर काम कर रहा है?,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को संवेदनशील शाखाएं कैसे मिलीं? वर्षों तक ऑडिट क्यों नहीं हुआ? यदि आरोप सत्य सिद्ध होते हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग के इतिहास का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार मामला बन सकता है।

कर्मचारी मजबूरी में देते थे पैसा

शासकीय कर्मचारियों का कहना है कि मेडिकल क्लेम पहले ही वर्षों अटका रहता है,बीमारी के समय कर्ज लेकर इलाज होता है,यदि द्वितीय अभिमत रोका जाए तो भुगतान असंभव हो जाता है,इस मजबूरी का फायदा उठाकर यह परंपरा वर्षों तक चलती रही।

अब उठ रही है उच्चस्तरीय जांच की मांग

मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग,जिला प्रशासन,और शासन स्तर पर जांच की मांग तेज हो गई है,मांग की जा रही है आय से अधिक संपत्ति की जांच,पदोन्नति प्रक्रिया की समीक्षा,मेडिकल बिल शाखा की ऑडिट,बैंक खातों और रजिस्ट्री की पड़ताल।

कहा जाता है...सिस्टम आज भी वही है...

सूत्र बताते हैं कि चौकीदार के पदोन्नत होने के बाद,वही प्रक्रिया आज भी किसी न किसी रूप में जारी है यानी व्यक्ति बदला, पर व्यवस्था नहीं।

आरएसएस से सक्रिय जुड़ाव भी चर्चा में-

हाल के दिनों में कर्मचारी का राष्टीय स्वयंसेवक संघ से सक्रिय जुड़ाव भी चर्चाओं में है,स्थानीय लोगों का कहना है पहले ऐसा जुड़ाव सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आता था,अब अचानक कार्यक्रमों और गतिविधियों में उपस्थिति बढ़ी है,लोग सवाल कर रहे हैं क्या यह सामाजिक आस्था है या संभावित जांच से बचाव का प्रयास? हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

चौकीदार नहीं, एक असाधारण कहानी

यह मामला तब सार्वजनिक हुआ जब उक्त चौकीदार को पदोन्नति देते हुए तृतीय श्रेणी लिपिक बनाया गया, पदोन्नति सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा थी,लेकिन जैसे ही उसका सेवा रिकॉर्ड और संपत्ति विवरण चर्चा में आया,अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक सभी चौंक गए, क्योंकि उसकी संपत्ति लिपिक बनने के बाद अर्जित नहीं हुई,बल्कि उस समय अर्जित हुई जब वह केवल चतुर्थ श्रेणी चौकीदार था, यहीं से यह मामला सामान्य से असामान्य बन गया।

वरिष्ठता को दरकिनार कर हुई पदोन्नति ?

इस पदोन्नति को लेकर एक वरिष्ठ चौकीदार ने विभाग में शिकायत दर्ज कराई है, शिकायत में उल्लेख है कि वह वरिष्ठता सूची में पहले स्थान पर था,वर्षों से सेवा दे रहा था,फिर भी उसे पदोन्नति नहीं दी गई,जबकि उसकी जगह ऐसे कर्मचारी को पदोन्नत किया गया जिसकी आर्थिक हैसियत जिले के बड़े कारोबारियों से भी अधिक बताई जा रही है,अब सवाल उठ रहा है कि क्या पदोन्नति योग्यता से हुई? या फिर प्रभाव, संपर्क और आर्थिक ताकत ने रास्ता बनाया?

अचल संपत्तियों का अंबार-

सूत्रों के अनुसार चौकीदार द्वारा अर्जित अचल संपत्तियों की संख्या असाधारण है,जानकारी के मुताबिक बैकुंठपुर शहर,पटना-बैकुंठपुर मार्ग, कोरिया ग्रामीण क्षेत्र,तथा पड़ोसी जिला सूरजपुर में स्वयं और पत्नी के नाम पर एकड़ो भूमि दर्ज है,ये जमीनें बाजार मूल्य पर खरीदी गईं, जिनकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है प्रश्न यह नहीं कि जमीन खरीदी गई,प्रश्न यह है कि एक चौकीदार इतनी पूंजी कहां से लाया?

एकड़ो जमीन,लेकिन आय का स्रोत अस्पष्ट

यदि सरकारी वेतन की बात करें तो चौकीदार का वेतन सीमित होता है, उससे परिवार चलाना ही मुश्किल होता है,ऐसी स्थिति में करोड़ों की जमीन,महंगे रजिस्ट्री शुल्क,टैक्स और निर्माण निवेश,कैसे संभव हुआ यह सबसे बड़ा रहस्य बना हुआ है।

भांडी में करोड़ों का विवाह भवन

सूत्रों के अनुसार कोरिया जिले के भांडी क्षेत्र में एक भव्य विवाह भवन (मैरेज पैलेस) के निर्माण की तैयारी की जा रही है,बताया जाता है कि निर्माण की लागत करोड़ों रुपये में है,नक्शा और प्रारंभिक तैयारी पूरी हो चुकी है,भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा,यह जानकारी सामने आने के बाद चर्चा और तेज हो गई,क्योंकि जहां कई अधिकारी 30 वर्ष की नौकरी के बाद भी ऐसा भवन नहीं बना पाते,वहां एक चौकीदार द्वारा ऐसा निवेश असामान्य माना जा रहा है।

क्या विभागीय अनुमति ली गई ?

शासकीय सेवा नियम स्पष्ट कहते हैं कोई भी सरकारी कर्मचारी अचल संपत्ति खरीदने से पहले, विभागीय अनुमति लेना अनिवार्य है,अब सवाल यह है कि क्या चौकीदार ने प्रत्येक जमीन खरीद के लिए अनुमति ली? क्या संपत्ति विवरण वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन में दर्शाया गया? यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह– सेवा शर्तों के गंभीर उल्लंघन और आय से अधिक संपत्ति का मामला बनता है।

चौकीदार या अस्पताल का बाबू ?

सूत्रों के अनुसार यह कर्मचारी पद से चौकीदार था,लेकिन कार्य व्यवहार में वह वर्षों तक लिपिक की भूमिका निभाता रहा,बताया जाता है कि उसे जिला चिकित्सालय की कई शाखाओं का प्रभार मिला, विशेष रूप से मेडिकल बिल रिंबर्समेंट शाखा,यह वही शाखा है जहां से शासकीय कर्मचारियों के इलाज के बिल,लाखों रुपये की फाइलें,द्वितीय अभिमत जैसी संवेदनशील प्रक्रियाएं संचालित होती हैं।

मेडिकल बिल रिंबर्समेंट बना कथित कमाई का जरिया

सूत्रों का दावा है कि मेडिकल बिल के द्वितीय अभिमत के लिए,प्रति बिल कम से कम 10 प्रतिशत राशि मांगी जाती थी,यह राशि नकद,तत्काल,बिना रसीद ली जाती थी,बिना भुगतान के फाइल आगे नहीं बढ़ती थी।

सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का शुभारंभ

ग्रामीण एवं आदिवासी युवाओं ने दिखाई अपनी खेल प्रतिभा

जूनियर और सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स,कबड्डी,फुटबॉल सहित अनेक खेलों की शुरुआत

-संवाददाता-

एमसीबी,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन,रायपुर के निर्देशानुसार आयोजित सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 प्रतियोगिता की श्रृंखला के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी विकासखंडों में तिथिवार खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज भरतपुर विकासखंड में सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का भव्य,उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया। भरतपुर ब्लॉक में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया गया। शुभारंभ के पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुई,जिनमें ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 के अंतर्गत एथलेटिक्स,कबड्डी, फुटबॉल,हॉकी,कुश्ती,खो-खो, वॉलीबॉल,तीरंदाजी सहित अनेक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित की जा रही हैं,जिससे जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन एवं पहचान बनाने का सशक्त मंच प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं खेल अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरगुजा ओलम्पिक ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखारने,खेल संस्कृति को मजबूत करने तथा युवाओं को सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रतियोगिता स्थल पर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में विशेष उत्साह एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन एवं खेल विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे प्रतियोगिताएं सुगम, पारदर्शी एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हो सकें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती रवि शंकर सिंह, जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह, बेलाबाई, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष हीरा लाल मोर्य, सदस्य सुखलाल मरावी, नगर पंचायत जनकपुर अध्यक्ष कौशल प्रसाद पटेल, उपाध्यक्ष नीकेश मिश्रा, पार्षद जीतेश नामदेव, मालती मदन तिवारी, विधायक प्रतिनिधि दुर्गा शंकर मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष नरेश यादव, जिला मंत्री पवन शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जनकपुर शशि शेखर मिश्रा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय राठौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिगम्बर जगत वर्मन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सचिदा नंद साहू,सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी अनिल पटेल एवं मण्डल संयोजक संजय पटेल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

आधी रात एक सील दुकान के पास से पुलिस ने छापा मार कार्यवाही कर कबाड़ जब्त

-संवाददाता-

कोरबा,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरबा जिले में जिला प्रशासन की ओर से सील की गई एक कबाड़ दुकान के पास अवैध कारोबार अभी भी जारी था। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली थाना और सीएसईबी चौकी पुलिस ने संयुक्त रूप से आधी रात छापा मारा। इस दौरान मौके से कबाड़ से भरे तीन वाहन जब्त किए गए और तीन कथित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए वाहनों में लोहे के बड़े पाइप और अन्य कबाड़ भरा हुआ था। वहीं गिरफ्तार किए गए तीनों व्यक्ति कबाड़ व्यवसाय से जुड़े हुए बताये जा रहे हैं। बताया जा रहा हैं की सील की गई दुकान के बावजूद चोरी-छिपे कबाड़ की खरीद-फरोख्त कर रहे थे और इसे दूसरे जिले में भेजने की फिराक में थे। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि अवैध कबाड़ कारोबार की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। इस कार्यवाही में कबाड़ से भरे वाहन और कुछ लोगों को पकड़ा गया है एवं आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों में फहराया तिरंगा

वीबी जीरामजी के लिए निकली जनजागरूकता रैली

-संवाददाता-

कोरिया,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोरिया जिले के सभी 57 अमृत सरोवरों के तट पर जनसहभागिता के साथ ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं,युवाओं एवं श्रमिकों की सहभागिता रही। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में प्रभात फेरी एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया,जिसमें विद्यालयीन छात्र-छात्राएँ एवं बिहान से जुड़ी महिलाएँ शामिल हुईं। रैली के माध्यम से विकसित भारत जीरामजी (वीबी जीरामजी) योजना की जानकारी दी गई तथा 125 दिवस की अकुशल श्रम गारंटी योजना के लाभों से ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

कोरबा पुलिस द्वारा लूट डकैती के अपराध में रिहा हुए आरोपियों की निकाली गई परेड

-संवाददाता-

कोरबा,28 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरबा जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा असामाजिक एवं अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों को कड़े एवं स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा लखन पटले एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के तीनों अनुभागों के अनुभागीय अधिकारियों (एसडीओपी) तथा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत अपराधियों के विरुद्ध त्वरित, प्रभावी एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में कोरबा पुलिस द्वारा तड़के सुबह लगभग 04:00 बजे से जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत लूट,डकैती एवं अन्य गंभीर अपराधों में पूर्व में संलिप्त तथा सजा प्राप्त कर चुके आदतन अपराधियों को उनके निवास स्थानों से थाना तलब किया गया। इस दौरान थाना परिसरों में ऐसे अपराधियों की विधिवत परेड कराई गई। उक्त विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 102 लूट एवं डकैती के अपराध के आरोपियों को थाना तलब किया गया, जो पूर्व में लूट एवं डकैती के अपराधों में जेल जा चुके हैं। थाना स्तर पर सभी आरोपियों का सत्यापन,रिकॉर्ड परीक्षण एवं काउंसलिंग की गई तथा उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त न होने की सख्त हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान इनमें से सक्रिय आरोपियों के खिलाफ थाना एवं चौकियों द्वारा परिस्थितियों के अनुसार धारा 110, 107, 116(3), 129 बीएनएसएस के अंतर्गत विधिवत कार्यवाही की गई एवं कई आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की गई, इनमें से आदतन आरोपियों के खिलाफ थाना एवं चौकिया में हिस्ट्री सेट खोला जाएगा। ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे एवं अपराधों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। कोरबा पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया गया है कि जिले में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले,आदतन अपराधी एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों की सुरक्षा,शांति एवं विश्वास बनाए रखना कोरबा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कोरबा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अपराध संबंधी सूचना तत्काल नजदीकी थाना/चौकी अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

डॉ रिद्धिमा और सिद्धांत करेंगे शादी?

एक्टर करण वाही ने दिया ये जवाब

कल्ट टीवी सीरियल दिल मिल गए में नजर आने वाले अभिनेता करण वाही और अभिनेत्री जेनिफर विंगेट की शादी को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। अब इस मामले को लेकर करण ने अपनी दो टूक राय रखी है। छोटे पर्दे के मशहूर कलाकारों के बारे में बात की जाए तो उसमें करण वाही और जेनिफर विंगेट का नाम जरूर शामिल होता है। साल 2007 में टीवी पर प्रसारित होने वाले दिल मिल गए शो में इन दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। असल जिंदगी में भी करण और जेनिफर एक दूसरे के अच्छे दोस्त माने जाते हैं।

लेकिन बीतों दिनों से इनका नाम शादी की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। अब इस मामले को लेकर टीवी एक्टर करण वाही की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आई है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है- जेनिफर विंगेट संग शादी की खबरों को पर क्या बोले करण

अक्सर देखा जाता है कि सेलेब्स की शादी को लेकर सिनेमा के गलियारों में नए-नए नाम सामने आते रहते हैं। हालांकि, इन दावों में बहुत कम सच्चाई भी देखने को मिलती है। फिलहाल इस मामले में जेनिफर विंगेट और करण वाही का नाम शामिल हो रहा है। इस पर करण ने रिएक्ट किया और इस तरह की खबरों को खारिज करते हुए सिर्फ अफवाह करार दिया है। हाल ही में करण ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में इस मामले पर जिक्र किया है और फेक न्यूज बताया है।

इसके अलावा जब जेनिफर विंगेट संग शादी को लेकर करण से इंडियन एक्सप्रेस के इंटरव्यू में सवाल पूछा गया था, तो जवाब में उन्होंने कहा- मुझसे से ये पूछने के लिए आपका धन्यवाद। पता नहीं ये हां से आया। लेकिन अब मैं आपके मंच से ये साफ करता हूं कि इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है।

इसके अलावा करण वाह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी लिखकर कहा है- फ्री के पीआर के लिए शुक्रिया। इस तरह से अभिनेता जेनिफर विंगेट शादी की खबरों को झूठा करार दिया है।

दिल मिल गए में निभाया था ये किरदार

करण वाही और जेनिफर विंगेट के लिए दिल मिल गए शो काफी असरदार रहा था। इस धारावाहिक में जेनिफर ने डॉ रिद्धिमा, तो करण ने डॉ सिद्धांत का किरदार अदा किया था। इस शो की लोकप्रियता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि 19 साल बाद भी इसका जिक्र किया जा रहा है। इसके अलावा इन दोनों की जोड़ी वेब सीरीज रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में देखने को मिली थी।

द केरला स्टोरी से ज्यादा खतरनाक होगा इसका पार्ट 2

नए मोशन पोस्टर ने जगाई दहशत

विवादित फिल्म द केरला स्टोरी के सीक्वल की घोषणा कर दी गई है। इसका मोशन पोस्टर जारी हो चुका है, जो छल और नफरत से परे सच्चाई उजागर करने का वादा करता है। फिल्म का टीजर 30 जनवरी को आएगा। कामाख्या नारायण सिंह द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा जैसे नए कलाकार शामिल हैं।

द केरला स्टोरी भारत की सबसे ज्यादा विवादों वाली फिल्म रही। मूवी में खासतौर से महिलाओं के धर्मांतरण और उनके आईएसआईएस में शामिल होने की बात कही गई जोकि रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित बताई गई। हालांकि इसमें कितनी सच्चाई है इसके बारे में कोई पुष्टि नहीं है।

खौफनाक है नया पोस्टर

वहीं मूवी रिलीज के बाद से ही इसके पार्ट 2 को लेकर चर्चा भी चालू हो गई थी। अब इसका पहला मोशन पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। विपुल अमृतलाल शाह की मच अवेटेड फिल्म का मोशन पोस्टर छल, मानवता और नफरत से परे अंदर की सच्चाई को सामने लाने का वादा करता है। मोशन पोस्टर में आंसू, डर और गुस्से से भरी महिलाओं के चेहरे आधे-आधे नकाब से ढके दिखाए गए हैं। उनके माथे पर तिलक लगा हुआ है और आंखों से आंसू बह रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

सीक्वल में दर्शकों को द केरल स्टोरी से आगे की कहानी दिखाई जाएगी। इससे टीजर की रिलीज डेट भी आ गई है, जो 30 जनवरी को रिलीज होगा। पार्ट 2 का नाम द केरल स्टोरी 2ः गोज बियॉन्ड! रखा गया है।

कौन-कौन एक्टर्स हैं शामिल

सुदीप्तो सेन की जगह इस बार पार्ट 2 की कमान कामाख्या नारायण सिंह ने संभाली है। द केरल स्टोरी 2 फिल्म, 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बार फिल्म में नए एक्टर्स को शामिल किया गया है जिनमें उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा शामिल हैं।

शाहरुख खान संग फिल्म के लिए खूब पसीना बहा रहीं सुहाना खान,जिम से शेयर किया वीडियो तो मिली तारीफें

शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान बीते दिनों फिल्म द आर्चीज में नजर आई थीं। लेकिन ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब सुहाना जल्द ही अपने पिता के साथ फिल्म किंग में दमदार किरदार निभाते नजर आने वाली हैं। फिल्म किंग के लिए सुहाना खूब पसीना बहा रही हैं। हाल ही में उन्होंने जिम से एक्सरसाइज करते हुए एक वीडियो शेयर की है। वीडियो में सुहाना जिम में पुल-अप्स करती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के ज़रिए अभिनेत्री ने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिटनेस के प्रति अपनी लगन को जाहिर किया है। वीडियो में सुहाना बड़ी कुशलता और संतुलन के साथ बार पर चढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। उनके ट्रेनर नीचे से उन पर कड़ी नजर रख रहे हैं। भूरे रंग के फिटिंग वाले वर्कआउट आउटफिट में सुहाना चुनौतीपूर्ण व्यायाम को आसानी से पूरा करते हुए पूरी तरह एकाग्र नजर आ रही हैं। क्लिप शेयर करते हुए सुहाना ने कैप्शन में लिखा, जब मैं गिरी हुई होती हूं, तब खुद को उठाती हूं।

सुहाना को देख चौंक गई खुशी

वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी करीबी दोस्त और अभिनेत्री खुशी कपूर, जो सुहाना को इतनी आसानी से व्यायाम करते देख दंग रह गईं, ने बताया कि यह आसान नहीं है। सुहाना के सोशल मीडिया अकाउंट के कमेंट सेक्शन में खुशी ने लिखा,यह तो आम बात नहीं है, ओह माय गॉड। जो लोग नहीं जानते,उन्हें बता दें कि सुहाना खान बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान और इंटीरियर डिजाइनर गौरी खान की बेटी हैं। विदेश में अभिनय की शिक्षा पूरी करने के बाद, सुहाना ने जोया अख्तर की वेब फिल्म द आर्चीज से अभिनय की शुरुआत की।

किंग में दिखाएंगी जलवा?

इस फिल्म से सुहाना ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और दर्शकों व आलोचकों से उनके अभिनय को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। सुहाना खान अब फिल्म किंग से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जहां वह पहली बार अपने पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्मित इस फिल्म को लेकर पहले ही काफी चर्चा हो रही है। फिल्म निर्माताओं ने शाहरुख खान और सुहाना खान के साथ मिलकर हाल ही में सोशल मीडिया पर एक दमदार वीडियो के जरिए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की।

खेल समाचार

वर्ल्डकप से पहले पाकिस्तान पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम

3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी कमिंस,मैक्सवेल और हेजलवुड नहीं खेल रहे

लाहौर,28 जनवरी 2026। मिचेल मार्श की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई। जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

यह सीरीज ऐसे समय में खेली जा रही है। जब 7 फरवरी से होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खेलने पर संशय है।

कंगारुओं के लिए यह सीरीज वर्ल्ड कप के लिहाज से अहम है। इसे पाकिस्तान की तैयारियों के फाइनल स्टेज के रूप में देखा जा रहा है। सीरीज का पहला मैच 29 जनवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तानी टीम को सरकार की मंजूरी का इंतजार?

पाकिस्तानी टीम को भारत और श्रीलंका में होने जा रहे टी-20 वर्ल्डकप में खेलने के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार है। देखना यह है कि क्या पाकिस्तानी सरकार अपनी टीम को वर्ल्ड कप खेलने की अनुमति देती है या नहीं? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद कहा था कि सभी

विकल्प खुले हैं और फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार तक लिया जाएगा।

आईसीसी ने बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटाया

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में टी20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर दिया था। पाकिस्तान इसका विरोध कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के कई सीनियर प्लेयर नहीं खेल रहे

ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस समेत अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के बिना लाहौर पहुंची है। वर्ल्ड कप से पहले चोटों से उबरने के लिए कमिंस, जोश हेजलवुड, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और नाथन एलिस को पाकिस्तान दौरे से बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2022 के बाद पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम

मिचेल मार्श (कप्तान),शॉन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन,कूपर कॉनॉली,बेन ड्वार्शियस, जैक एडवर्ड्स,कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर),मैथ्यू कुहनेमैन,मिचेल ओवेन,जोश फिलिप (विकेट कीपर),मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट,मार्कस स्टोइनिस,एडम जम्पा।

स्वियाटेक पर हावी एलेना

सेमीफाइनल में पेगुला का सामना

मेलबोर्न,28 जनवरी 2026। दुनिया की नंबर पांच खिलाड़ी एलेना रायबाकिना ने बुधवार को चल रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दुनिया की नंबर दो और छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियाटेक को हरा दिया। रायबाकिना ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक को 7-5, 6-1 से हराया। यह मैच एक घंटे 35 मिनट तक चला, जिससे इगा के खिलाफ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-6 से बराबर हो गया। रायबाकिना मैच में हावी रहीं, उन्होंने अपने पिछले नौ में से आठ गेम जीते। डब्ल्यूटीए की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से रायबाकिना ने अपने ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में कहा, मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हम एक-दूसरे को काफी अच्छे से जानते हैं,और मैं बस आक्रामक रहने की कोशिश कर रही थी। पहले सेट में,हम दोनों की पहली सर्व काम नहीं कर रही थी, इसलिए हम दूसरी सर्व पर आगे बढ़कर एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। दूसरे सेट में, मैंने बस और खुलकर खेलना शुरू किया, बेहतर सर्व की,और मैं इस जीत से बहुत खुश हूं।

यह पिछले 19 मैचों में उनकी 18 वीं जीत और टॉप 10 रैंक वाले खिलाड़ी के खिलाफ लगातार आठवीं जीत भी है। 2022 की विंबलडन चैंपियन ने दुनिया की नंबर छह खिलाड़ी जेसिका पेगुला के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। इससे पहले, एक ऑल-अमेरिकन मुकाबले में, जेसिका पेगुला ने ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में अमांडा एनिसिमोवा को 6-2, 7-6(1) से हराकर मेलबर्न में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। पिछली बार जब पेगुला का सामना ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में किसी हमवतन खिलाड़ी से हुआ था, तो उन्होंने बुधवार को 1 घंटे 35 मिनट में मैच खत्म करके सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। पेगुला ने कहा, ÷यह बहुत बढ़िया है। मैं पिछले कुछ सालों से यूएस ओपन में काफी आगे तक पहुंच पाई हूं, लेकिन यह पहला ग्रैंड स्लैम था जहां मैंने सच में सफलता हासिल की। और मैं तीन बार, और फिर इस साल, चार बार क्वार्टर फाइनलिस्ट रही हूं।

सहजा यमलापल्ली को वाइल्ड कार्ड से मेन ड्रॉ में जगह

मुंबई,28 जनवरी 2026। भारत की दुनिया की नंबर वन महिला सिंगल्स खिलाड़ी, सहाजा यामलापल्ली को आने वाले मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 के सीरीज़ के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया है,जो मुंबई में महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में होगा। मेन ड्रॉ 2 से 8 फरवरी, 2026 तक होना है। एमएसटीएलए की एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार, यह भारतीय स्टार मुंबई ओपन में जानी-मानी इंटरनेशनल खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होगी।

2025 में,सहाजा यामलापल्ली ने कोर्ट पर अच्छा प्रदर्शन किया,जिसमें उनका आईटीएफ टैम्पिको अभियान खास रहा,जहाँ वह मेक्सिको की जेसिका हिनोजोसा गोमेज़ा के साथ महिला डबल्स सेमीफाइनल में पहुँचीं। उन्होंने पुणे में बिली जीन किंग कप के एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 स्टेज में भारत को दूसरा स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई और बेंगलुरु में हुए प्ले-ऑफ के दौरान भी टीम का हिस्सा थीं। मेन ड्रॉ वाइल्ड कार्ड मिलने के बारे में बात करते हुए, 25 साल की खिलाड़ी ने कहा, मुझे वाइल्ड कार्ड देने के लिए मैं एमएसटीएलए की बहुत आभारी हूँ। घर पर डब्ल्यूटीए इवेंट खेलना हमेशा बहुत खास होता है, और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं हर मैच में अपना दिल लगाकर खेलने की कोशिश करूँगी और अपना 100 प्रतिशत दूँगी। लक्ष्य टूर्नामेंट में काफी आगे तक जाना है, लेकिन मेरे लिए सबसे ज़रूरी बात एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी ग्रोथ दिखाना और इस सीज़न में आत्मविश्वास के साथ खेलना है।

वह साल की शुरुआत मज़बूती से करना चाहेंगी और मुंबई ओपन के पिछले एडिशन के अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना चाहेंगी, जहाँ

उन्हें थाईलैंड की लानलाना तारारुडी से 3-6, 6-4, 1-6 से हारने के बाद राउंड ऑफ़ 32 से बाहर होना पड़ा था। सहाजा यामलापल्ली ने पिछले एडिशन में अपने प्रदर्शन पर बात की और अपने खेल के अहम पहलुओं में किए गए सुधारों के बारे में बताया, मैंने पिछले एडिशन के बाद से अपने खेल में कुछ बदलाव किए हैं, खासकर अपनी सर्व में,और इसके परिणामस्वरूप मैंने बहुत बड़ा सुधार देखा है। मैंने टैक्टिकली अनुशासित रहने, दबाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और कब आक्रामक खेलना है, इस पर भी काम किया है। मैं मुंबई ओपन के आने वाले एडिशन में इस ग्रोथ को दिखाने के लिए बहुत उत्सुक हूँ। उन्होंने युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए मुंबई ओपन के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा, मुंबई ओपन हमारे लिए बहुत ज़रूरी है क्योंकि यह हमें लगातार यात्रा और खर्चों की चुनौतियों के बिना टॉप-लेवल कॉम्पिटिशन का दुर्लभ और कीमती अनुभव देता है। यह कई युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा भी है कि हमारा देश हम खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ कर रहा है, और यह हमें अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है।

भारतीय यू 17 पुरुष टीम मारगाओ में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी

नई दिल्ली,28 जनवरी 2026। भारत की यू17 पुरुष टीम 29 जनवरी और 1 फरवरी को गोवा के मडगांव में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। ब्लू कोल्ट्स के हेड कोच बिबियानो फर्नांडिस ने इन दो मैचों के लिए 25 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। दोनों मैच पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे, और ये मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:00 बजे शुरू होंगे। ब्लू कोल्ट्स इस साल की शुरुआत से ही एएफसी यू17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारी के लिए गोवा में ट्रेनिंग कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में हुए क्वालिफायर में ढ्रक्र ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे से ऊपर रहने के बाद भारत ने इतिहास में 10वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। 12 फरवरी को ड्रॉ के बाद भारत को अपने ग्रुप स्टेज के विरोधियों के बारे में पता चलेगा। ताजिकिस्तान ने फीफा यू17 वर्ल्ड कप 2025 के लिए क्वालिफाई करने के

कारण एएफसी यू17 एशियन कप में अपने आप जगह बना ली है।

गोवा में ताजिकिस्तान के खिलाफ फ्रेंडली मैचों के लिए भारत की यू17 पुरुष टीमः **गोलकीपरः** आलोक निषाद, मनशज्योति बरुआ, राजरूप सरकार।

डिफेंडरः- अभिषेक कुमार मंडल, अंकुर राजभर, इंद्र राणा मगर, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम, लॉमसांगज़ुआला, मो. ऐमान बिन, मूसा आशिक सोफी, शुभम पूनिया। मिडफील्डरः डल्लालमुओन गैंगटे, डेनी सिंह वांगखेम, डायमंड सिंह थोकचोम, मुकुंदो सिंह निंगथौजम, नीतीशकुमार मेइतेई येंगखोम।

फॉरवर्डः- आजिम परवेज़ नजार, आदिल अमन ए, अज़लान शाह ख, गुनलेइबा वांगखेइरकपम, हीरंगनबा सेराम, लेस्विन रेबेलो, रहान अहमद, वाशिंगटन सिंह नंगोम, युवराज कदम।

हेड कोचः- बिबियानो फर्नांडिस भारत 17 पुरुष फ्रेंडली मैच

शेड्यूलः- शाम 4:00 बजे ,

29 जनवरीः- भारत बनाम ताजिकिस्तान शाम 4:00 बजे,

1 फरवरीः- भारत बनाम ताजिकिस्तान

स्थानः- पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, मडगांव

पहले दिन विजेता टीमों में कर्नाटक,दिल्ली और हरियाणा

हैदराबाद,28 जनवरी 2026। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप बालायोगी स्टेडियम में शुरू हुई,जिसमें पहले दिन कई निर्णायक जीत देखने को मिलीं। यह चार दिवसीय इवेंट 27 जनवरी को शुरू हुआ और 30 जनवरी को खत्म होगा। भारत की महिला कबड्डी वर्ल्ड कप जीत के तुरंत बाद,इस चैंपियनशिप में वर्ल्ड चैंपियन टीम की कई सदस्य अपनी-अपनी राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला कर रही हैं। पहले दिन,पूल ए से एच तक आठ मैच हुए, जिसमें हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ सभी ने अपने शुरुआती मैच जीते। पूल ए में, दिल्ली ने जम्मू और कश्मीर को 61-14 से हराया। पूल बी में, हिमाचल प्रदेश ने असम पर 49-24 की जीत के साथ शुरुआत की। पूल सी में, राजस्थान ने मेजबान तेलंगाना पर 44-21 से जीत हासिल की। हरियाणा ने भी शानदार शुरुआत करते हुए पूल डी में झारखंड को 62-16 से हराया। पूल एफ में तमिलनाडु ने उत्तराखंड पर 57-26 से जीत हासिल की।

CMYK

मुख्यमंत्री साय ने 8 नए साइबर थानों का वर्चुअल लोकार्पण किया

सकारात्मक वातावरण में कार्य करने की मिलेगी प्रेरणा : सीएम साय

रायपुर, 28 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से वर्चुअली जुड़कर विभिन्न जिलों में 8 नए साइबर थानों और 255 करोड़ रुपए की लागत से तैयार पुलिस आवासीय भवनों तथा थाना भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पुलिस के जवानों को इस विशेष पहल के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कहा कि आज का दिन पुलिस विभाग के लिए अत्यंत सौभाग्य का है, क्योंकि 255 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रेजेंटेशन के माध्यम से हमने देखा कि साइबर थाना,एसडीओपी कार्यालय,चौकी भवन,ट्रांजिट हॉस्टल एवं आवासीय भवन अत्यंत सुंदर और सुविधाजनक बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुविधाओं से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सकारात्मक वातावरण में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और वे अपने कर्तव्यों का और अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे। साय ने कहा कि सरकार का सतत प्रयास है कि कर्मचारियों और अधिकारियों को बेहतर आवास एवं कार्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं,जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है और इससे सुदूर अंचलों तक भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रदेश में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अनेक स्थानों पर साइबर पुलिस थानों की शुरुआत की जा रही है। आज जशपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव जिलों सहित कुल 8 नए साइबर थानों का शुभारंभ किया गया है। इससे पूर्व प्रदेश के पांच जिलों में साइबर थाना संचालित हैं। भविष्य में आवश्यकता के अनुसार अन्य जिलों में भी साइबर थाने स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही चार जिलों में भारत वाहिनी के कैंपस, नौ जिलों में नए थाना भवन, माना में सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की चौकी तथा आवासीय भवनों का भी लोकार्पण किया गया। गृहमंत्री शर्मा ने 255 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए इन निर्माण कार्यों एवं 8 नए साइबर थानों की स्वीकृति और लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत,गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता,पुलिस महानिदेशक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन पवन देव, एडीजी एसआरपी कल्लूरी, एडीजी प्रदीप गुप्ता, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, एडीजी दीपांशु काबरा,एडीजी अमित कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही वनमंत्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक भईया लाल रजवाड़े, ललित चंद्राकर, विधायक श्रीमती रायमुनि भगत एवं जनप्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सहभागी रहे।

उल्लेखनीय है कि आज मुख्यमंत्री ने बालोद जिले के 21वीं भारत रक्षित वाहिनी करकाभाट, पुलिस थाना भवन सनौद, महासमुंद जिले के 20वीं भारत रक्षित वाहिनी परसदा, धमतरी जिले के पुलिस चौकी भवन करेलीबड़ी, रायपुर जिले के सेन्ट्रल आर्म्स स्टोर, 4थीं वाहिनी माना, ट्रांजिट हॉस्टल, बस्तर जिले के 19वीं भारत रक्षित वाहिनी करनपुर, बीजापुर जिले के पुलिस थाना भवन तर्रेम,पुलिस थाना भवन नैमेड़, सुकमा जिले के पुलिस थाना भवन चिंतागुफा, पुलिस थाना भवन चिंतलनार, कांकेर जिले के 22वीं भारत रक्षित वाहिनी भीरावाही, नारायणपुर जिले के पुलिस थाना भवन भरण्डा, पुलिस थाना भवन बैनुर,ट्रांजिस्ट हॉस्टल नारायणपुर, दुर्ग जिले के पुलिस थाना भवन पद्मनाभपुर, पुलिस थाना भवन पुलगांव,36 अराजपत्रित एवं 48 प्रधान आरक्षक आवासगृह, एस.डी.ओ.पी. कार्यालय भवन धमधा, बेमेतरा जिले के एस.डी.ओ.पी. कार्यालय भवन बेरला, राजनांदगांव जिले के एस.आई.बी. फिल्ड यूनिट, ट्रांजिट हॉस्टल,दुर्ग,सूरजपुर जिले के पुलिस चौकी कुदरगढ़, कोरिया जिले के 24 अराजपत्रित एवं 144 प्र.आर./आरक्षक आवासगृह बैकुण्ठपुर एवं ट्रांजिट हॉस्टल बलरामपुर का लोकार्पण किया।

8 नए साइबर थाने शुरू

गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रदेश में कई जगह साइबर थाने खोले जा रहे हैं। आज जशपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव समेत कुल 8 नए साइबर थाने शुरू किए गए। पहले ही पांच जिलों में साइबर थाने काम कर रहे हैं और भविष्य में जरूरत के हिसाब से और थाने बनाए जाएंगे। साथ ही चार जिलों में भारत रक्षित वाहिनी के कैंपस, नौ जिलों में नए थाना भवन, सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की चौकी और आवासीय भवनों का भी लोकार्पण हुआ।

साइबर पुलिस थाना जिला-रायगढ़ | साइबर पुलिस थाना जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा | साइबर पुलिस थाना जिला-जांजगीर-चांपा | साइबर पुलिस थाना जिला-जशपुर

रायपुर में गांजा सामग्री बेचने वालों पर पुलिस का एक्शन

2 लाख के रोलिंग पेपर जब्त,9 दुकानें सील

रायपुर,28 जनवरी 2026। रायपुर पुलिस ने गांजा सेवन में इस्तेमाल होने वाले 'गोगो पेपर' और हुक्का सामग्री की अवैध बिक्री करने वाले दुकानदारों पर शिकंजा कसा है। कार्रवाई में करीब 2 लाख रुपए के रोलिंग पेपर जब्त किए गए हैं, वहीं COTPA एक्ट के तहत 9 दुकानों को सील किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर और डीसीपी नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ऐसे पान ठेले और गुमटियों को चिन्हित किया गया,जहां युवाओं को नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री खुलेआम बेची जा रही थी।

गांजा पीने में इस्तेमाल होने वाला 'गोगो पेपर' जब्त : पुलिस जांच में सामने आया कि शहर के कई इलाकों में 'गोगो/रोलिंग पेपर' और चिलम की बिक्री हो रही थी, जिनका इस्तेमाल गांजा की सिगरेट (जॉइंट) बनाने में किया जाता है। नॉर्थ जोन पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में रोलिंग पेपर जब्त किया,जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए आंकी गई है।

COTPA एक्ट के तहत 9 दुकानें सील : अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त (उरला) पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने COTPAएक्ट के उल्लंघन पर कार्रवाई की। शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास अवैध रूप से तंबाकू, हुक्का फ्लेवर और नशे से जुड़ी सामग्री बेचने वाले 9 संस्थानों को सील कर दिया गया।

सप्लाई चेन तक पहुंची पुलिस : कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रोलिंग पेपर और हुक्का सामग्री की सप्लाई चेन का भी खुलासा किया है। पूछताछ में थोक विक्रेताओं और सप्लायरों के नाम सामने आए हैं, जो शहर में इन सामग्रियों की अवैध सप्लाई कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इन मुख्य कड़ियों पर भी छापेमारी की जाएगी।

कोयला घोटाला...सौम्या-रानू और सूर्यकांत को सुप्रीम कोर्ट से रेगुलर जमानत मिली

पहले अंतरिम जमानत पर बाहर थे,राज्य से बाहर रहने की शर्त अब भी लागू

रायपुर, 28 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रमुख आरोपी सौम्या चौरसिया, रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी समेत अन्य आरोपियों को रेगुलर जमानत दे दी है। इससे पहले ये सभी आरोपी अंतरिम जमानत पर बाहर थे। यह जमानत मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाला बगाची की पीठ से मिली है। कोर्ट ने जमानत देते हुए आरोपियों को राज्य से बाहर रहने जैसी शर्तें भी बरकरार रखी हैं।

अंतरिम जमानत के बाद मिली नियमित राहत

सौम्या चौरसिया, रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी लंबे समय से अंतरिम जमानत पर बाहर थे। वहीं ईडी ने शराब घोटाले मामले में सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। अब सुप्रीम कोर्ट से रेगुलर जमानत मिलने के बाद इन आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे,हर्षवर्धन परघनीया,शशांक मिश्रा, तुषार गिरी और मुक्त गुप्ता ने कोर्ट में पक्ष रखा। वहीं राज्य शासन की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और अतिरिक्त महाधिवक्ता रवि शर्मा ने पैरवी की।

अब तक 273 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां अटैच : कोल लेवी मामले की जांच के दौरान अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, इस मामले में कुल 35 आरोपियों के खिलाफ 5 अभियोजन शिकायतें (चालान) स्पेशल कोर्ट में पेश की गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार कोल लेवी घोटाले में अब तक 273 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां अटैच की जा चुकी हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले में आगे की जांच जारी है और आने वाले समय में और भी खुलासे हो सकते हैं।

क्या है 570 करोड़ से ज्यादा का कोल स्कैम ?

ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध वसूली की गई है। ईडी के अनुसार कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था।

अर्जुन अमित श्रीवास्तव बने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता

रायपुर,28 जनवरी 2026। युवा कांग्रेस के बिहार के सह-प्रभारी और मध्य प्रदेश के प्रभारी रह चुके अर्जुन अमित श्रीवास्तव को भारतीय युवा कांग्रेस में राष्ट्रीय प्रवक्ता/ मीडिया पैनलिस्ट नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति संगठन में युवाओं की भूमिका को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अर्जुन अमित श्रीवास्तव भारतीय युवा कांग्रेस के सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने के बाद अब उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब ने की नियुक्ति की घोषणा

उनकी नियुक्ति की घोषणा भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब ने की। संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर खुशी जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि अर्जुन अमित श्रीवास्तव अपने अनुभव और ऊर्जा से संगठन की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

CG-PSC भर्ती घोटाला...टामन-ललित और आरती की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर,28 जनवरी 2026। CG-PSC भर्ती घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी,तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और परीक्षा उप नियंत्रक ललित गनवीर की जमानत दूसरी बार खारिज कर दी है। जस्टिस बीडी गुरु ने कहा कि, यह केस केवल आपराधिक मामला नहीं है। बल्कि, यह लाखों युवाओं की भावनाओं से जुड़ा है। उनके करियर और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। घोटाले पर गंभीर आरोप है, जिसकी जांच जारी है। केवल लंबे समय से हिरासत में होने के आधार पर आरोपियों को जमानत देना उचित नहीं है। सीबीआई का यह भी आरोप है कि, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर ने अध्यक्ष के निर्देश पर उद्योगपति श्रवण गोयल को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए। जिन्होंने आगे यह प्रश्नपत्र अपने बेटे और बहू को दिए। दोनों का चयन डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ। वहीं, सोनवानी के भतीजों का चयन डिप्टी कलेक्टर और डिप्टी एसपी पद पर हुआ। आरोपियों की ओर से दलील दी गई कि वे निर्दोष हैं, जांच लगभग पूरी हो चुकी है और सह-आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। इसलिए समानता के आधार पर उन्हें भी राहत दी जाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मनीष सिसोदिया बनाम प्रवर्तन निदेशालय फैसले का हवाला भी दिया।

छत्तीसगढ़ की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी,बढ़ाई गई सुरक्षा

जगदलपुर,28 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में बुधवार को कई जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस ने परिसर खाली कराया और गहन तलाशी ली। हालांकि तलाशी के दौरान पुलिस टीम को कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के जिला एवं सत्र न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर सुबह साढ़े चार बजे के करीब एक मेल आया है। इसमें न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सुबह 10 बजे न्यायालय खुलने के बाद इसकी जानकारी अधिकारियों को मिली,तो अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बम और डॉग स्क्वाड के जरिए पूरे कोर्ट परिसर की जांच की गई। हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। फिलहाल स्थिति सामान्य है। धमकी भरे मेल में लिखा गया है कि जगदलपुर न्यायालय परिसर में दो सुसाइड बम धमाके किए जाएंगे। इसके साथ ही तीन जहर गैस बम भी लगाए जाने का दावा किया गया। मेल में यह भी लिखा गया कि दोपहर 1:45 बजे तक जजों को न्यायालय से बाहर निकाल लिया जाए, नहीं तो बड़ा नुकसान होगा। बस्तर जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने अपनी पूरी टीम के साथ कोर्ट परिसर पहुंचकर एहतियातन पूरा न्यायालय परिसर खाली कराया। इसके बाद बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड के द्वारा हर हिस्से की गहन जांच शुरू की गई। न्यायालय परिसर में खड़े सभी वाहनों की जांच की गई। हर कक्ष, चेंबर और आस-पास के इलाकों को खंगाला गया। सुरक्षा कारणों से काफी देर तक न्यायालय का काम-काज पूरी तरह प्रभावित रहा।

फिलहाल जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन प्रशासन का कहना है कि धमकी को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है और बस्तर में न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पर बम की धमकी मिली थी। सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरे परिसर की जांच कराई गई है। अब तक की जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। मामले की साइबर और तकनीकी जांच भी की जा रही है। इससे पहले अंबिकापुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया था। न्यायालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। इसके बाद न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और हर व्यक्ति की सघन जांच की गई। सरगुजा एसएसपी एवं डीआईजी राजेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि न्यायालय को ईमेल के जरिए धमकी मिलने की सूचना के बाद तत्काल पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरे परिसर की जांच की गई है।

उन्होंने कहा कि जो ईमेल प्राप्त हुआ है, उसे गंभीरता से लिया गया है और यह पता लगाया जा रहा है कि मेल कहां से और किसने भेजा है। साथ ही उसके पीछे का उद्देश्य क्या है। फिलहाल जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से मजबूत की गई है और लगातार चेकिंग जारी है। इसी तरह राजनांदगांव जिला न्यायालय परिसर और जांजगीर चांपा जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसके बाद हड़कंप मच गया।पूरे परिसर की सघन जांच की गई। फिलहाल किसी भी प्रकार संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं की गई। मेल कहां से आया किसने भेजा था, इसकी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस के रजत जयंती पदक का किया अनावरण

प्रदेश में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस के अदम्य साहस,शौर्य और बलिदान की अमिट पहचान बनेगा रजत जयंती पदक : सीए साय

रायपुर,28 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस बल को समर्पित रजत जयंती पदक का विमोचन किया। उन्होंने पुलिस बल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पदक प्रदेश में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान की अमिट पहचान बनेगा। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य पुलिस बल को रजत जयंती पदक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई थी,जिस पर त्वरित अमल करते हुए आज इस पदक का विमोचन किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस बल ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और नक्सल विरोधी अभियानों में असाधारण साहस का परिचय देते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। पदक गोल आकार का एवं चांदी के रंग का होगा, जिसके अग्र भाग में साल वृक्ष तथा पीछे के भाग में पहाड़ी मैना का उभरा हुआ चित्र अंकित रहेगा और इसे रिबन के साथ धारण किया जाएगा। वर्दी के बाईं ओर जेब के ऊपर यह पदक अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, वीरता पदक, राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक तथा राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक के पश्चात वरीयता क्रम में लगाया जाएगा। पदक में अंकित पहाड़ी मैना सतर्कता, संवाद, निडरता, स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव और पुलिस बल की टीम भावना का प्रतीक है, जबकि साल वृक्ष मजबूती, दृढ़ता, दीर्घायु, संरक्षण, प्राकृतिक संतुलन तथा मौन रहकर भी प्रभावशाली योगदान का संदेश देता है। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा अंचल में पूजनीय साल वृक्ष की भांति यह पदक भी पुलिस बल के समर्पण, सेवा और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को सम्मानित करेगा और छत्तीसगढ़ पुलिस की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ,मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह,पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत,गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता,पुलिस महानिदेशक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन पवन देव,एडीजी एसआरपी कल्लूरी,एडीजी प्रदीप गुप्ता,एडीजी विवेकानंद सिन्हा,एडीजी दीपांशु काबरा,एडीजी अमित कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में यूजीसी कानून के विरोध में राज्यपाल को ज्ञापन

रायपुर,28 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति ने यूजीसी कानून के विरोध में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने कहा है कि यदि यूजीसी के नियम वापस नहीं लिए गए,तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। पदाधिकारियों का कहना है कि यह नियम भेदभावपूर्ण है और इससे सामान्य वर्ग के बच्चों को आगे चलकर परेशानी झेलनी पड़ेगी। लोकभवन में संगठन के विधि प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रमुख एडवोकेट निवेदिता मिश्रा और एडवोकेट राजीव द्विवेदी के नेतृत्व में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन के जरिए उन्होंने कानून पर पुनर्विचार करने की मांग की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने कहा कि यूजीसी कानून सवर्ण समाज के छात्रों के भविष्य के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के गलत इस्तेमाल से छात्रों को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। संगठन ने बताया कि राज्यपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम भी ज्ञापन भेजा गया है। समिति ने चेतावनी दी कि यदि शासन-प्रशासन ने जल्दी निर्णय नहीं लिया, तो वे कानून के तहत आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)